डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,सोमवार 13 मार्च,2023 वर्ष–07 / अंक–293 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

केंद्र सरकार ने पंजाब सरकार को लिखी चिट्ठी,

पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक मामले में केंद्र ने सख्त कदम उठाया है। इस मामले में केंद्र से पंजाब सरकार से की गई कार्रवाई के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। गौरतलब है कि पिछले साल पांच जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान सुरक्षा में भारी चूक का मामला सामने आया था। केंद्र सरकार के सूत्रों ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले साल 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य की यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन पर पंजाब सरकार से विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

क्या है पूरा मामला?

पांच जनवरी को पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिरोजपुर में दौरा था। भारी बारिश के कारण पीएम को सड़क मार्ग से जाना पड़ा लेकिन इस दौरान हुसैनीवाला से 30 किलोमीटर दूर रास्ते में प्रदर्शनकारी मिल गए जिस कारण उनका काफिला तकरीबन 20 मिनट बेहद असुरक्षित क्षेत्र में रुका रहा। जिस इलाके में पीएम मोदी का काफिला रुका था, वह आतंकियों के अलावा हेरोइन तस्करों का गढ़ माना जाता है। पिछले साल सितंबर माह में इसी क्षेत्र में आतंकी वारदात को अंजाम दिया गया था।

गृह मंत्रालय ने लगाया था पंजाब सरकार पर आरोप

गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और ट्रेवल प्लान के बारे में पंजाब सरकार को पहले ही बता दिया गया था। उन्हें इससे जुड़े इंतजाम करने थे, जो नहीं किए गए। गृह मंत्रालय ने कहा कि जब यात्रा मार्ग बदल गया तो पंजाब सरकार को अतिरिक्त सुरक्षा तैनाती करनी थी ताकि सड़क मार्ग से यात्रा सुरक्षित रहे, लेकिन अतिरिक्त इंतजाम नहीं किए गए।

सुरक्षा चूक के बाद केंद्र और पंजाब सरकार ने अलग–अलग जांच शुरू की थी पिछले महीने प्रधानमंत्री की सुरक्षा चूक के बाद केंद्र और पंजाब सरकार ने अलग–अलग जांच शुरू की थी। पंजाब सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस मेहताब सिंह गिल और गृह सचिव अनुराग वर्मा की कमेटी बनाई। जबकि केंद्र ने इंटेलिजेंस ब्यूरो और एसपीजी अधिकारियों के साथ सुरक्षा सचिव की अध्यक्षता में एक जांच समिति भी बनाई थी।

देश की मजबूती के लिए बच्चों का सुशिक्षित होना आवश्यक दृरमेश चंद्र मिश्र

जौनपुर।

देश के विकास मजबूती और आत्म निर्भरता के लिए बच्चों का स्वस्थ, सुशिक्षित व संस्कारित होना अत्यावश्यक है। शिक्षा के क्षेत्र में बदलापुर प्रदेश के अग्रणी स्थानों में अपना नाम रोशन किए हुए है। बदलापुर में मिनियंस क्रैडल टू क्रेयोन एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग प्रीस्कूल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए बीजेपी विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की तरह ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी जातिवाद की नजर से नहीं देखना चाहिए। अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी सबके लिए समान रूप से काम करते हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों और फास्ट फूड को मनुष्य के स्वस्थ का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए उन्होंने लोगों से इससे बचने की सलाह दी। पीजीआई के डॉ अंकुर यादव , डॉ हरिनाथ यादव , डॉ नितिन यादव , डॉ विकास सिंह ,डॉ अजीत सिंह,डॉ प्रमोद मिश्रा,सरकार ग्रुप के चेयरमैन प्रदीप मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी, रिटायर्ड शिक्षक एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सत्यदेव सिंह,पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी महराजगंज गुलाबचन्द सरोज, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मिथिलेश सिंह, मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार अर्जुन शर्मा सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राथमिक शिक्षक संघ के बदलापुर अध्यक्ष उमेश मिश्रा , मंत्री राय साहब यादव , जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव,आनन्द तिवारी, डा. प्रकाश चन्द शुक्ल ,हृदय प्रकाश तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सच्चिदानन्द तिवारी,पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी महराजगंज गुलाब चन्द सरोज पूर्व जिला पंचायत सदस्य मिथिलेश सिंह आर के उपाध्याय स्वतंत्र मिश्र संदीप पाठक अशोक पाण्डेय आशीष लोहिया, गौरव यादव निर्मलेंदु, सुभाष चन्द्र गुप्ता, संजय पाल ,राज भारत मिश्र, कैलाश रजक , सत्यनारायण यादव, लालबहादुर यादव, शशिधर तिवारी, चंदप्रकाश यादव, पारस नाथ यादव,अशोक पांडे, अवधेश यादव ,सुदीप यादव, संतोष शुक्ल,रविंद्र तिवारी समेत भारी संख्या में शिक्षक तथा गणमान्य जन उपस्थित रहे। यादवेंद्र यादव उर्फ गुड्डू यादव के गाए गीतों ने लोगों को आनंदित किया। अंत में कार्यक्रम के आयोजक तथा प्री स्कूल के प्रबंधक अनिल यादव ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने धार्मिक यात्रा पहुंचे मथुरा

मथुरा–

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सपत्नीक धार्मिक यात्रा पर मथुरा पहुंचे। शनिवार देर शाम मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री गोवर्धन पहुंचे जहां निजी होटल में भाजपा विधायक ठा. मेघ श्याम सिंह, आईजी नचिकेता झा, डीएम पुलकित खरे, एसएसपी शैलेश पांडेय ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत दानघाटी मंदिर में गिरिराज जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। ई रिक्शा से गिरिराज परिक्रमा लगाकर मनौती मांगी।

शुक्रवार की देर रात मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पत्नी साधना सिंह के साथ वाई रोड़ एक दिवसीय धार्मिक यात्रा पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गोवर्धन पहुंचे। विंगस्टन होटल में विधायक मेघ श्याम सिंह ने गिरिराज जी का प्रसाद भेंट कर स्वागत किया। आईजी नचिकेता, डीएम पुलकित खरे ने पुष्प भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत ई रिक्शा से दानघाट मंदिर पहुंचे। मंदिर में गिरिराज जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने ई रिक्शा से तो पत्नी साधना सिंह ने पैदल गिरिराज परिक्रमा लगाई। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान पूरी तरह भक्ति भाव में नजर आए । वहीं दूसरे दिन रविवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान वृंदावन पहुंचे और बांकेबिहारी जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

तिरंगे में लिपटा पहुंचा शव तो बिलख पड़े परिजन राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

तालग्राम ।

पीएसी जवान की डियूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। तिरंगे से लिपटा शव उनके पैतृक घर पहुचने पर परिजनों में कोहराम मच गया। पीएसी जवान का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। ग्राम अधौआ निवासी नीरज कुमार राजपूत (52) पुत्र जगन्नाथ की तैनाती सीतापुर पीएसी ट्रेनिंग सेंटर में बतौर सब इंस्पेक्टर थे । बुधवार रात डियूटी के दौरान उनकी अचानक तवियत बिगड़ गई। पीएसी जवानों ने वहां के अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पीएसी बल के उच्च अधिकारियों ने विधिक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव का पोस्मार्टम होने के उपरांत पीएसी बटालियन के जवानों ने शव को सम्मान के साथ तिरंगे में लपेटकर गुरुवार की रात उनके पैतृक गांव अधौआ पहुचाया। तिरंगे में लिपटा शव देकर परिवार के लोग बिलख पड़े। शुक्रवार सुबह मेंहदी घाट पर राजकीय सम्मान के साथ शव का अतिंम संस्कार कर दिया गया। वही मृतक पीएसी जवना की पत्नी मनोरमा व सुमित, अमित पुत्री नीलमा का रो–रोकर बुरा हाल है।

मंडल अध्यक्ष कमला प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। बदलापुर मंडल अध्यक्ष कमला प्रसाद तिवारी , बड़े बाबू के नेतृत्व में आज कांग्रेसियों ने एसबीआई तथा एलआईसी के बदलापुर शाखा में संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर भारत के राष्ट्रपति से अपील की है कि लाखों लोगों के निवेश से जुड़े इन दोनों सार्वजनिक संस्थानों को केंद्र सरकार द्वारा निजी हाथों में जाने से रोकें। जापान में कहा गया है कि केंद्र की मोदी सरकार देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को अडानी समूह के हाथों बेंच रही है। इसी दिशा में इन दोनों संस्थानों को भी बेचने की तैयारी कर रही है। यदि ऐसा हुआ तो देश के लाखों करोड़ों लोगों के साथ अन्याय होगा। कांग्रेस किसी भी कीमत पर इन दोनों संस्थानों को बिकने नही देगी। ज्ञापन सौंपते समय मंडल अध्यक्ष कमला प्रसाद तिवारी के अलावा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामचंद्र मिश्र, एडवोकेट धीरेंद्र शुक्ल, रामजियावन तिवारी, अच्छेलाल ,मुंशी रजा, बाबूराम, महात्मा शुक्ल, मोहम्मद शमीम तथा दूधनाथ उपस्थित रहे।

1.75 लाख बनाए जाएंगे व्हाट्सएप ग्रुप, हर बूथ अध्यक्ष से सीधे कनेक्ट रहेंगे राष्ट्रीय चीफ

यूपी में बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में क्लीन स्वीप का टार्गेट रखा है. इसे पूरा करने के लिए बूथ स्तर तक पार्टी की पकड़ मजबूत करने को निर्वाचित कार्यकर्ताओं से संबंधित करीब 1.75 लाख व्हाट्सएप ग्रुप बनाए जाएंगे. इन ग्रुप के जरिए पार्टी अपना पूरा प्रचार डिजिटल तरीके से करेगी. इसके अलावा पार्टी करीब डेढ़ लाख सिम भी बांटेगी, जो प्रदेश भर के बूथ अध्यक्षों को दिए जाएंगे.पार्टी ने बूथ स्तर पर प्रचार शुरू कर दिया है. यह भी तय किया गया है कि प्रदेश अध्यक्ष या राष्ट्रीय अध्यक्ष जब चाहें किसी भी बूथ अध्यक्ष से सीधे संपर्क कर सकेंगे. प्रदेश अध्यक्ष के स्तर से लेकर बूथ अध्यक्ष तक कोई सूचना पहुंचाने में चंद मिनट ही लगेंगे. इससे पार्टी के अभियान का आधार सुनिश्चित होगा और बूथ स्तर पर मतदाताओं को जोड़ने में मदद मिलेगी.तय रणनीति के तहत बीजेपी सभी बूथों पर अपनी कमेटी बना रही है. इस कमेटी में कम से कम 11 सदस्य होंगे. इसका एक अध्यक्ष होगा.

थाना दिवस मे आई 51 शिकायतें, 8 का मौके पर निस्तारण

बांदा। जन शिकायतों के तत्काल व प्रभावी निस्तारण के लिए शनिवार को जिले भर मे थाना दिवस आयोजित किए गये। थाना समाधान दिवस मे कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुयीं जिनमे 8 का मौके पर तत्काल निस्तारण किया गया। कोतवाली देहात मे जिलाधिकारी दीपा रंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने लोगों की शिकायतें सुनी और संबंधित कर्मचारियों को इनके त्वरित निस्तारण के आदेश दिए। कोतवाली नगर मे नगर मजिस्ट्रेट व क्षेत्राधिकारी नगर, थाना गिरवां मे क्षेत्राधिकारी नरैनी, बबेरू मे उप जिलाधिकारी व थाना मरका मे क्षेत्राधिकारी बबेरू ने लोगों की शिकायतें सुनी और उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी दीपा रंजन ने अधीनस्थों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के चलते लोगों की समस्या समाधान करने के लिए थाना समाधान दिवस आयोजित किये गये हैं। उन्होने अधीनस्थों को लोगों से मिली शिकायतों के त्वरित व प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की आवाज बनी कृष्णा राहुल तिवारी

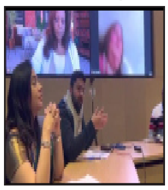

देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन की लगातार बढ़ रही लोकप्रियता और उपलब्धियों में कल एक और अध्याय जुड़ गया। राहुल एजुकेशन की संयुक्त सचिव श्रीमती कृष्णा राहुल तिवारी को संयुक्त राष्ट्र द्वारा न्यूयॉर्क में महिलाओं की स्थिति पर आयोजित 67 वें यूनियन कमीशन में शिरकत करने का अवसर मिला। भारतीय मूल की 20 महिलाओं के साथ उन्होंने इस कार्यक्रम में भारत की तरफ से अपनी बातें रखी । इस अवसर पर उनके साथ राहुल एजुकेशन के सीओओ उत्सव राहुल तिवारी भी उपस्थित रहे। संयुक्त राष्ट्र के इस सेमिनार में विश्व के अनेक देशों के मंत्री, संयुक्त राष्ट्र के राजदूत तथा प्रतिनिधि, विश्व के बड़े एनजीओ के प्रतिनिधि, नामी लेखकों तथा पत्रकारों ने भाग लिया। परिचर्चा में इस बात पर विचार किया गया कि विश्व में नवीनीकरण तथा तकनीकी बदलाव लाकर विश्व में किस तरह से लैंगिक समानता लाया जा सकता है और महिलाओं तथा लड़कियों को ताकतवर बनाया जा सकता है। भारत की तरफ से बोलते हुए श्रीमती कृष्णा राहुल तिवारी ने कहा कि विश्व में जो महिलाएं आधुनिक तकनीकी तकनीकी सुविधाओं से वंचित हैं, उन्हें बराबरी के स्तर पर लाए जाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

कांग्रेसियों ने सरकार को निजीकरण पर घेरा

उन्नाव–
बीघापुर नगर पंचायत स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय के बाहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आरती बाजपेई के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन और नारेबाजी की केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला । सरकारी संगठनों के निजीकरण के विरोध में कांग्रेसियों ने अलग–अलग क्षेत्रों में धरना दिया । एल आईसी जैसे सरकारी संस्थानों को बेचने का आरोप लगाया । जिला अध्यक्ष आरती बाजपेई ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब एलआईसी के ग्राहक अपने रूपये के लिए मोहताज होंगे । उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बृज लाल खाबरी के नेतृत्व में 13 मार्च को राज्यपाल को केन्द्र सरकार की नीतियों के विरोध में ज्ञापन दिया जायेगा । इस दौरान जिला महासचिव अनुराग सिंह विशारद , रामकिशोर शर्मा , रमेश, शीतला प्रसाद, डॉ विजय समेत अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे ।

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में धूमधाम से मनाई गई छत्रपति शिवाजी जयंती

नालासोपारा। नालासोपारा मेडिकल कॉलेज में कल छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ पोवाड़ा गायन, निबंध प्रतियोगिता और शिवकाव्य वाचन कार्यक्रम भी आयोजित किया। शिवकाव्यवाचन प्रतियोगिता का परिणाम देते हुए परीक्षक के रूप में डॉ.ऋजुता ओमप्रकाश दुबे ने तृतीय वर्ष की छात्रा अलीशा डिसूजा को प्रथम विजेता घोषित किया और सभी छात्रों के प्रदर्शन की प्रशंसा की। तत्पश्चात बाजे गाजे के साथ शिव राय की पालकी महाविद्यालय से अचोले रोड विठ्ठल मंदिर तक निकाली गई। कॉलेज के निदेशक एवं छात्रों के प्रेरणास्रोत डॉ. ओमप्रकाश दुबे ने अपने उद्बोधन में छात्रों से अपील की कि षशिव राय के चरित्र का सभी छात्रों द्वारा अअनुकरण किया जाना चाहिएष। आज के कार्यक्रम में महाविद्यालय के शासी निकाय के सदस्य नवल किशोर मिश्रा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई स कार्यक्रम एवं पालकी में महाविद्यालय के विद्यार्थी,अध्यापक, अध्यापकेतर कर्मचारी,आंतरवसियता प्रशिक्षणार्थी ने पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन आयुर्वेदाचार्य के अंतिम वर्ष के छात्र प्रियंका पाटिल एवं शंकर करलिंगे ने किया। महाविद्यालय के निदेशक डॉ. ओमप्रकाश दुबे, संस्था की विश्वस्त एवं स्त्री रोग प्रसूति तंत्र विभाग की प्रमुख डॉ. ऋजुता दुबे, महाविद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. हेमलता शेंडे इनके मार्गदर्शन में अंतिम वर्ष के छात्र स्वप्निल सवंडकर, सर्वेश गायकवाड़, हार्दिक पाटिल और कॉलेज के विद्यार्थी परिषद के सचिव अनुराग द्विवेदी ने कार्यक्रम का आयोजन किया स इस कार्यक्रम की प्रमुख संयोजिका डॉ. सरिता पासी ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

राजीव मिश्र की ष्अवधी आखरष् को मिला महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी का स्वर्ण पुरस्कार

मुम्बई। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के द्वारा घोषित पुरस्कारों में वर्ष 2021–22 के लिए एड. राजीव कुमार मिश्र के लोकगीत, मंगलगीत, संस्कार–गीत और ऋतु–गीतों के विविध आयाम लिए हुए काव्यसंग्रह ष्अवधी आखरष् को फणीश्वरनाथ रेणु पुरस्कार (लोकसाहित्य) के प्रथम पुरस्कार (स्वर्ण) से पुरस्कृत किया गया है। एड. राजीव मिश्र मूल रूप से जौनपुर (उ.प्र.) से हैं और पिछले बीस वर्षों से मुम्बई में प्रवास करते करते हुए अवधी भाषा की सेवा में लगे हुए हैं। उक्त सम्मान की घोषणा होने पर उत्कृष्ट साहित्यकार एडवोकेट राजीव मिश्र को साहित्यिक क्षेत्र के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं कवि विनय शर्मा दीप सहित मुंबई महानगर के सभी साहित्यकारों एवं साहित्यिक मंचों ने शुभकामनाएं एवं बधाइयां दी है।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 द्वतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

छत्रपति संभाजी राजे भोसले की स्मृति में 439वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित 155 बार रक्तदान के साथ 72 बार प्लेटलेट्स दे चुके राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता शतकवीर डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 439वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर में 41 बार रक्तदान कर चुके अधिवक्ता एवं स्टार रक्तदाता बलिंद्र पाल सिंह मुख्यातिथि के रूप में पधारे जबकि रोटी बैंक शाखा कुरुक्षेत्र के अंकेक्षक एवं लेखाकार नरेश सैनी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे हुए थे। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल रक्त कोष प्रभारी डॉ. रमा की अध्यक्षता में रक्त संग्रहित किया गया। शिविर संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज का रक्तदान शिविर रक्त की भारी कमी को देखते हुए लगाया गया है जो आज रविवार को भी लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 10 बजे लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज का दिन इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आज के दिन छत्रपति संभाजी राजे भोसले या शम्भुराजे का निधन हुआ था। इतिहास के अनुसार 11 मार्च 1689 को औरंगजेब ने छत्रपती संभाजी महाराज की बड़ी क्रूरता के साथ हत्या कर दी। उनकी स्मृति में यह रक्तदान शिविर उनको समर्पित है। उन्होंने आगे कहा कि रक्त की एक एक बूँद बहुमूल्य है। रक्त सड़क दुर्घटनाओं में नहीं बहना चाहिए अपितु रक्त आवश्यकतानुसार जरूरतमंदों के काम आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के युग में लोग सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन न करके दूसरों को मृत्यु की नींद सुला देते हैं। नशा करके वाहन चलाना, लापरवाही करना और नियमों की पालना न करना सड़क दुर्घटनाओं का कारण है। मुख्यातिथि पधारे स्टार रक्तदाता अधिवक्ता बलिंद्र पाल सिंह ने रक्तदान शिविर में रक्तदान करते हुए कहा कि वे पिछले अनेक वर्षों से रक्तदान कर रहे हैं और उनके प्रेरणा स्रोत डॉ. अशोक कुमार वर्मा रहे हैं। सेवानिवृत मुख्य तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी ने कहा कि मार्च के महीने में रक्त का अभाव होने के कारण निरंतर दो दिन रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए। शिविर में इन दानी सज्जनों ने रक्तदान किया– राजीव नरवाल, मंजीत सिंह, बलिंद्र पाल सिंह, हिमांशु चावला, अंशुमान चौधरी, सवीन गेरा, संजीव कुमार, डॉ. विनोद भुक्कल, राजेंद्र सिंह, सुमित, मास्टर जीतेन्द्र सिंह आदि।

अनिता मंदिलवार को मिला इंस्पायरिंग वूमेन अवार्ड 2023

हर साल महिला दिवस के अवसर पर फोर्थ स्क्रीन एजुकेशन द्वारा इंस्पायरिंग वुमन अवार्ड का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2023 के सीजन 3 के लिए इंस्पायरिंग वुमन अवार्ड के लिए छत्तीसगढ से अनिता मंदिलवार का चयन किया गया है। अनिता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय असोला अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़ में व्याख्याता पद पर कार्यरत हैं ।

फोर्थ स्क्रीन एजुकेशन एवं पंडित धर्म प्रकाश शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट पुष्कर राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इंस्पायरिंग वूमेन अवॉर्ड हेतु देशभर से प्राप्त नॉमिनेशन में से उत्कृष्ट कार्यो के आधार पर चयनित फाइनलिस्ट में ऑनलाइन वोटिंग के आधार पर टॉप 21 का चयन किया गया। देश भर से 80 महिलाओं ने ऑनलाइन वोटिंग में भाग लिया, जिसमें सबसे अधिक वोट मिलने वालों को विजेता चुना गया है।

राष्ट्रीय स्तर इस अवार्ड की विजेता बनी अनिता मंदिलवार अपने क्षेत्र में एक विशेष पहचान रखती है । अनिता मंदिलवार श्सपनाश की इसके पहले लगभग तीन सौ पचास साझा संग्रह और दस एकल संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं । साहित्यिक और सामाजिक योगदान के लिए इन्हें पहले भी बहुत बार सम्मानित किया गया है । आकाशवाणी से विगत 23 वर्षो से महिला कार्यक्रम घर आँगन कार्यक्रम में कम्पीयरिंग कर रही हैं । लीडिंग लेडीज ऑफ मध्यपद्देश एण्ड छत्तीसगढ़ में स्थान दर्ज करा चुकी है । इसके पहले लगभग छरू सौ से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं । उनकी रचनाएँ गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकार्डस और ऑफिशियल वर्ल्ड रिकार्ड्स में शामिल हुई हैं ।सौ से अधिक साहित्यिक संस्थानों में साहित्यिक सेवाएं प्रदान कर रही हैं ।

कानून के विद्यार्थियों की समाज के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी:सुप्रीम कोर्ट जज कृष्ण मुरारी

भायंदर। सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायाधीश श्री कृष्ण मुरारी ने आज बतौर मुख्य अतिथि श्री एलआर तिवारी कॉलेज ऑफ लॉ, मीरा रोड में पहले राष्ट्रीय कानून महोत्सव, विधिप्रभा 2023 का शानदार उद्घाटन किया। राहुल एजुकेशन की तरफ से चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी ने स्मृति चिन्ह देकर श्री कृष्ण मुरारी जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट मनोज मिश्र का भी राहुल एजुकेशन की तरफ से सम्मान किया गया। उद्घाटन समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वाले लोगों में सुप्रीम कोर्ट के जज श्री कृष्ण मुरारी, सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मिश्र, राहुल एजुकेशन के चेयरमैन पंडित लल्लन तिवारी,राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी, मुंबई हाई कोर्ट के वकील एडवोकेट राजकुमार मिश्र तथा राहुल हायर एजुकेशन के डायरेक्टर डॉ एन एन पांडे का समावेश रहा। लॉ कॉलेज के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रमुख अतिथि श्री कृष्ण मुरारी ने कहा कि आप सभी भारतीय कानून का भविष्य में रक्षक बनेंगे। साथ ही आपके कंधों पर एक मजबूत समाज और राष्ट्र के निर्माण की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कानून से जुड़ी हुई अनेक महत्वपूर्ण बातों को छात्रों से साझा किया। सुप्रीम कोर्ट के जज को अपने बीच पाकर छात्रों ने खुद को गौरवान्वित महसूस किया। पंडित लल्लन तिवारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के माननीय न्यायधीश के आगमन से न सिर्फ कार्यक्रम को ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है अपितु पूरा मीरा भायंदर गर्व की अनुभूति कर रहा है।

होली मिलन पर कवि गोष्ठी सम्पन्न

अतर्रा (बाँदा)। रंगपर्व होली के अवसर पर शिक्षक साहित्यकार प्रमोद दीक्षित मलय के आवास पर गत दिवस एक लघु कवि गोष्ठी का आयोजन सम्पन हुआ जिसमें आमंत्रित कवियों ने अपनी विविध रचनाएं पढ़ीं। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए साहित्याचार्य बाबूलाल दीक्षित (पूर्व प्राचार्य – श्री मन्नूलाल संस्कृत महाविद्यालय अतर्रा) ने कहा कि गोष्ठी में पढ़ी गयी कविताओं में जीवन के विविध रंग समाहित हैं। इनमें अगर प्रेम, मधुरता की अभिव्यक्ति हुई है तो संवेदना का स्वर भी शामिल हैं। कविता में आमजन का गूंजता स्वर उसे ताकता देता है। कविता समाज की रचना का एक सशक्त माध्यम है। सभी रचनाकारों के प्रति होली की बधाई देते हुए आपकी रचनात्मकता की सराहना करता हूं।

कवि गोष्ठी के प्रारंभ में आयोजक शिक्षक एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रमोद दीक्षित मलय ने आमंत्रित कवियों रामावतार साहू, मूलचंद कुशवाहा और शिवदत्त त्रिपाठी सहित उपस्थित सभी सुधी श्रोताओं के भाल पर अबीर गुलाल लगा कर स्वागत किया। तत्पश्चात मूलचंद कुशवाहा ने गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। आगे गीत पढ़ते हुए कहा कि मैं फूल बोता उस गली जिसमें मुझे कांटे लगे। मैं गीत गाता हूँ मिलन के, प्रीत के रस में पगे ।। फिर जीवन की नश्वरता को रेखांकित करता गीत प्रस्तुत किया कि न इतराओ ज्यादा क्षणिक जिंदगी में। क्या पता कि मुलाकात ये आखिरी है। इसके बाद नवगीतकार और नेल्सन मंडेला पर महाकाव्य की रचना करने वाले वरिष्ठ रचनाकार रामावतार साहू ने नवगीत पढ़ा कि स्वेद से भीगी हुई ही रोटियां छिनती रहीं। फिर भी हमने आंसुओं से किए समझौते ।।

इसके बाद ब्रह्म विज्ञान इंटर कालेज के प्रधानाध्यापक शिवदत्त त्रिपाठी ने महिला दिवस पर अपनी सम सामयिक रचनाओं से वाह वाही बटोरी कि नारी को नित पूजिये नारी जग आधार। नारी बिन सूनो लगे घर आंगन त्योहार।।

इसके बाद प्रमोद दीक्षित मलय ने फागुनी दोहे सुनाकर वातावरण प्रेममय कर दिया। फागुन ने हर द्वार पर, सुरभित सुमन बिखेर। डलिया भरकर दे रहा, कैथा महुआ बेर।।

डेढ़ घंटे तक चली गोष्ठी में कवियों ने दो चक्रों में रचनाएं पढ़ीं। बेटी संस्कृति दीक्षित ने चाय–मठरी, लड्डू नमकीन आदि की व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल बीच–बीच में सभी रचनाकारों को जलपान उपलब्ध कराती रहीं। अंत में आयोजक प्रमोद दीक्षित मलय ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब प्रत्येक महीने के पहले शनिवार को मेरे आवास पर कवि गोष्ठी सम्पन्न होगी। काव्य पाठ हेतु अन्य रचनाकारों को भी आमंत्रित किया जायेगा।

राजातालाब तहसील: लोग यहाँ आते हैं व्यवस्था और सरकार को कोसते हुए लौट जाते हैं

अभिभावक परेशान, एक सप्ताह बीत जाने के बाद आय जाति निवास प्रमाण पत्र के लिए तहसील में लगा रहे 'दौड़'आय जाति निवास के लंबित है सैकड़ों आवेदन उत्तर प्रदेश जनहित गारंटी अधिनियम के तहत राजस्व विभाग लोगों को आय जाति और निवास प्रमाण पत्र निर्धारित समय में आनलाइन जारी करता है वाराणसी। राजातालाब, तहसील क्षेत्र के माडल ब्लाक सेवापुरी के भोरकला गांव निवासी अजय कुमार पटेल ने 2 मार्च को अपने बेटे अमन के लिए आय जाति और निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। निर्धारित समयावधि एक सप्ताह बीतने पर भी उन्हें प्रमाण पत्र नहीं मिला है। आराजीलाईन ब्लाक के कचनार गाँव के महेंद्र सोनकर ने भी अपने बच्चे को आरटीई के तहत नीजी स्कूल में दाखध्लिा दिलाने के लिए आवेदन की औपचारिकता पूरी करने के लिए आय जाति प्रमाण पत्र हेतु फरवरी में आवेदन किया था पहले चरण के अंतिम तिथि 28 फरवरी बीत जाने के बाद प्रमाण पत्र नहीं बनने से आरटीई आवेदन नहीं कर पाए बच्चे के दाखध्लिा हेतु परेशान हैं। एक सप्ताह से तहसील से लेकर शिक्षा विभाग के जिला कार्यालय तक की दौड़ लगा रहे हैं। यह दो मामले तो बानगी भर हैं। सैकड़ों से अधिक अभिभावक आय जाति निवास प्रमाण पत्र के लिए वाराणसी जिले के राजातालाब,,पिंडरा और सदर तहसीलों के चक्कर लगाते थक चुके हैं। शायद बहुत कम लोग जानते होगे कि जनहित गारंटी अधिनियम के तहत सरकारी विभाग में हर काम का समय तय है। तय समय पर काम न होने पर आवेदक मुआवजा ले सकते हैं। इस समय जिले के तीनों तहसीलों में सैकड़ों से अधिक आवेदन फार्म लंबित पड़े हुए हैं। एक सप्ताह पुराने कई आवेदकों को निर्धारित समयावधि बीत जाने के बाद अभी तक आय जाति निवास प्रमाण पत्र नहीं मिल पाया है, कई आवेदकों के अकारण आवेदन खघरिज कर दिया जा रहा हैघ् प्रमाण पत्र के लिए सैकड़ों सौ से अधिक अभिभावक तहसील की दौड़ लगा रहे हैं। राजस्व विभाग सर्वर खघ्राब होने की बात कहकर उन्हें वापस कर रहे हैं। यह स्थिति तब है जब अभिभावकों ने एक सप्ताह पहले बकायदा आनलाइन आवेदन कर निर्धारित शुल्क तक जमा कर चुके हैं।

अभिभावक प्रमाण पत्र के लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं से भी सिफारिशें करा रहे हैं। इसके बाद भी उनका काम नहीं हो पा रहा है। अधिकारी उन्हें भी तकनीक खामी बताकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं। अभिभावकों का आरोप है कि विभाग के ही कुछ कर्मचारी आउट साइडरो से सेटिंग–गेटिंग में भी लगे हुए हैं। जिससे जुगाड़ वालों को पहले यानी एक दो दिन में प्रमाण पत्र जारी कर दिए जा रहे हैं।

इस समय लंबित आवेदन होली के अवकाश के पहले पुरानी पेंडिंग थी। सर्वर ठीक हो गए हैं। व्यवस्था के तहत अभिभावक को निर्धारित समयावधि में प्रमाण पत्र जारी करवा सकता है। इस कारण पेंडेंसी तेजी से कम हो रही है। होली के अवकाश के बाद अगले दो–तीन दिनों में सभी लंबित आवेदको को प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा।

सतीश कुमार वर्मा हसीलदार राजातालाब अपने हक की जानकारी न होने के कारण ही लोग तहसील में शिकायतों की अर्जियां लेकर भटकते नजर आते हैं। जनहित गारंटी अधिनियम के तहत हर काम का समय तय है। आप सात दिन में शैक्षणिक कार्य हेतु जाति आय निवास प्रमाण जारी करवा सकते हैं। इसमें देरी होती है तो आप अपील कर मुआवजा लेने के लिए क्लेम कर सकते हैं। स्वतंत्र पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता हिमाद्री ट्रस्ट के प्रमुख राजकुमार गुप्ता ने बताया कि जनहित गारंटी अधिनियम में प्रमाण पत्रों को जारी करने का समय तय है। तय समय में काम न होने पर एसडीएम, डीएम के यहां प्रथम अपील की जा सकती है। अपील का माकूल निस्तारण नहीं होने पर कमिश्नर के यहाँ द्वितीय अपील किया जा सकता है। बिना पर्याप्त कारण के सेवा देने में विफल होने पर आवेदकों को मुआवजा देने का प्रावधान है। बिना पर्याप्त कारण के सेवा देने में विलंब किया है तो आवेदकों को ध् 250 से पांच हजार रुपये तक विभाग की तरफ से मिलता है। बिना पर्याप्त कारण के अपीलीय अधिकारी समय से अपील का निस्तारण नहीं कर सके तो द्वितीय अपीलीय पर पांच सौ से पांच हजार रुपये तक जुर्माना देना होगा। यह तब है जब जनहित गारंटी अधिनियम के तहत ऑनलाइन आवेदनों को निर्धारित समय के भीतर संसाधित करना अनिवार्य है। आय निवास एवं जाति प्रमाण पत्र 20 दिन में आवेदनों पर निर्णय लेना अनिवार्य है। यदि स्कूलों में प्रवेश के लिए आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया जाता है, तो उसे 7 दिनों के भीतर जारी करना आवश्यक है। अन्य आवश्यकताओं को 15 दिनों के भीतर जारी किया जाना चाहिए। निवास प्रमाण पत्र एसडीएम द्वारा जारी किया जाता है और जाति और आय प्रमाण पत्र तहसीलदार द्वारा जारी किया जाता है। तीनों में लेखपाल की रिपोर्ट जरूरी है। तीनों तहसीलों में सैकड़ों से अधिक आवेदन लंबित हैं सबसे ज्यादा देरी लेखपाल स्तर पर हो रही है। ऐसा खुद प्रशासन के अधिकारी कह रहे हैं इस प्रकरण का संज्ञान मिलते ही रेड ब्रिगेड ट्रस्ट के प्रमुख अजय पटेल ने बताया कि जनहित गारंटी अधिनियम के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए जल्द ही तीनों तहसीलों में एक–एक दिनों का तीन दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का युवा-युवतियां में मची होड़- सरदार पतविंदर सिंह

उम्र अट्ठारह है पूरी,मतदाता अवश्य बनें नैनी प्रयागराज जनवरी 2023 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे युवा एवं युवतियों जागरूक होकर ऑनलाइन मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा ले यह बातें भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्याय सरदार पतविंदर सिंह ने जन जागरण करते हुए कही अपने आसपास के अन्य लोगों को भी जागरूक कर मतदाता नाम को स्थानांतरित कराने, नाम या पते मे त्रुटि की दिशा में उसका संशोधन कराने हेतु प्रेरित किया स सरदार पतविंदर सिंह ने जन जागरण करते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की त्रुटि मिलती है तो बीएलओ से अवश्य मिले नए मतदाता आवेदन करें मतदान प्रक्रिया में भागीदारी कैसे सुनिश्चित करें,वोटर कैसे बने,वोटिंग एवं लोकतंत्र में मतदाता के महत्व के बारे में बताया गयास सरदार पतविंदर सिंह ने कहा उम्र अट्ठारह है पूरी, मतदान है बहुत जरूरी,दारू लालच रुपए नोट,नहीं लेंगे करेंगे मन का वोट,बीएलओ से बात करेंगे मतदाता हम अवश्य बनेंगे जैसे स्लोगन जन जागरूकता में बराबर युवा–युवतियों के मध्य में उद्घोष करते रहेस

11 मार्च से 17 मार्च तक नगरपालिका चुनाव हेतु अपने वोट बनवाने या संशोधन(वार्ड परिवर्तन आदि)हेतु अपने बूथ पर ठस्ट से सम्पर्क करे। 1 जनवरी 2023 को 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा भी अपने वोट बनवा सकते है।

नए युवा–युवतियां मतदाता सूची में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा कर लोकतंत्र के महापर्व,चुनाव में सहभागिता सुनिश्चित करें।ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए 11 मार्च से 17 मार्च तक रजिस्टर करा लेस

प्रदेश में 17 नगर निगमों,200 नगर पालिका परिषद,554 नगर पंचायतों यानी कुल 762 नगरीय निकायो में चुनाव होने हैं।

लालापुर थाना क्षेत्र के नगरवार घाट पर अवैध रूप से की जा रही यमुना बालू की निकासी, ओवरलोड ट्रक पलटी

सूखी रेत की निकासी का पट्टा लेकर यमुना नदी के बीचोबीच पानी मे नाव लगाकर अवैध रूप से बालू की निकासी की जा रही है जहां ओवरलोड गाड़ियों का धड़ल्ले से परिवहन भी किया जा रहा है, जिससे राजस्व को प्रतिदिन लाखों रुपये का चूना लगाया जा रहा है

प्रयागराज लालापुर थाना क्षेत्र के नगरवार यमुनाघाट पर सूखी रेत खनन का पट्टा लेकर अवैध रूप से यमुना नदी का सीना चीरकर नाव बीच धार पानी में लगाकर नियमों को ताक पर रखकर यमुना बालू की निकासी की जा रही है। जिससे जलजीवो के जान को खतरा पहुंचाया जा रहा है। अवैध निकासी की ओर न तो एनजीटी का ध्यान जा रहा है। न ही खनन विभाग का और न ही पुलिस विभाग का। यमुना जी के अंदर से किए जा रहे अवैध खनन से राजस्व को प्रतिदिन लाखों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। जिसमें प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है। रविवार को नगरवार घाट पर ओवरलोड ट्रक अवैध परिवहन करते पलट गयी। जिससे हड़कंप मच गया। चालक व परिचालक बाल–बाल बच गए। इस तरह से ओवरलोड परिवहन किये जाने से जनजीवन के लिए खतरा बना हुआ है। अगर नगरवार घाट पर इसी तरह से अवैध निकासी होती रहेगी तो कभी भी किसी की जान जा सकती है।

थाना धूमनगंज पुलिस द्वारा अपहरण के अभियोग में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रेस नोट दिनांक 12.03.2023 थाना धूमनगंज पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 79 23 धारा 363 366ए भादसं. से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रविशंकर पुत्र स्व0 छोटेलाल निवासी पकडीतर (अबदालपुर) थाना सोरांव जनपद प्रयागराज को आज दिनांक 12.03.2023 मुखबिर की सूचना पर गति तिराहा टी.पी. नगर थाना क्षेत्र धूमनगंज से गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिकर कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है ।

वांछित अभियुक्त का विवरण– रविशंकर पुत्र स्व0 छोटेलाल निवासी पकडीतर (अबदालपुर) थाना सोरांव जनपद प्रयागराज, उम्र लगभग 30 वर्ष

सम्बन्धित अभियोग का विवरण–
मु0अ0सं0 79 23 धारा 363 366ए भादवि थाना धूमनगंज, प्रयागराज

पुलिस टीम का विवरण– 1. उ0नि0 सुभाष कुमार सिंह थाना धूमनगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 2.का0 रवीन्द्र सिंह थाना धूमनगंज कमिश्नरेट प्रयागराज 3.का0 जीतू सिंह थाना धूमनगंज कमिश्नरेट प्रयागराज मीडिया सेल पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज।

पांडेश्वर नाथ धाम पड़िला धर्म शाला में सब कुशल सम्पन्न हुआ होली मिलन समारोह

सामाजिक कार्य करने में तमाम कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है मुख्य अतिथि सांसद संगम लाल गुप्ता थरवई प्रयागराज सामाजिक कार्य करने में बहुत ही कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है साथ ही बहुत कुछ सहना भी पड़ता है उक्त बातें साहू धर्मशाला पंडिला मे आयोजित साहू एकता मंच द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह मे मुख्य अतिथि सांसद संगम लाल गुप्ता प्रतापगढ़ ने कहा उन्होंने कहा कि होली मिलन के त्यौहार से लोगों में प्रेम भाव सौहार्द बढ़ता है साथ ही लोगों को एक दूसरे की मदद करनी चाहिए समारोह की अध्यक्षता राम लखन गुप्ता ने किया आगंतुक अतिथियों का अध्यक्ष व आयोजक चंद्रिका प्रसाद साहू ने किया संचालन शंकर लाल साहू महासचिव ने किया इस अवसर पर साहू धर्मशाला अध्यक्ष पुष्पराज साहू अधिवक्ता मक्खन लाल साहू,राम लोचन साहू , लाल जी गुप्ता,अजय कुमार साहू, प्रेम चंद्र साहू, मानिक चंद्र साहू,मदन लाल साहू, सुनील गुप्ता ,हरीश जी ,नरेंद्र साहू दुर्गा प्रसाद गुप्ता,कमलेश साहू, सुधा साहू, शोभा साहू, प्रमिला गुप्ता लालजी गुप्ता आदि पदाधिकारी गण के साथ भारी संख्या मे शामिल महिलाओं व बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे भोजपुरी के लोकगायक प्रदीप सांवरा व उषा गुप्ता के गीतों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया फूलों की होली मिलन के कार्यक्रम की स्थानीय लोगों ने खूब प्रशंसा किया।

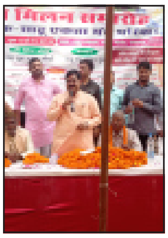

अखिल भारतीय अग्निशिखा मंच ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के परिपेक्ष में आयोजित समारोह पर 301 महिलाओं ,छात्राओं ,कवित्रीयों, पत्रकारों व चिकित्सकों को मंच से सम्मानित किया

प्रेस विज्ञप्ति अखिल भारतीय अग्निशिखा मंच प्रयागराज के तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीर्वाद व मार्गदर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के परिपेक्ष में महिला सशक्तिकरण ,काव्य पाठ एवं सम्मान समारोह का आयोजन तपोवन पार्क न्यू कैंट प्रयागराज में धूमधाम से संपन्न हुआ इस अवसर पर 301 विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं छात्राओं कवित्रीयों ,साहित्यकारों, पत्रकारों तथा चिकित्सकों आदि को सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती केसरी देवी पटेल, विशिष्ट अतिथि श्रीमती अनीता सचान सदस्य ,राज्य महिला आयोग उत्तर प्रदेश ,डॉ मंजू सिंह इलाहाबाद विश्वविद्यालय ,डॉक्टर संध्या सिंह सहायक शिक्षा निदेशक ,श्रीमती उर्मिला शर्मा ,आर यस वर्मा पूर्व आयुक्त ,डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय न्यायमूर्ति कैप्टन डी पी एनसिंह ,स्नेह सुधा आदि मंच पर रहे अध्यक्षता डॉ रश्मि शुक्ला संचालन व संयोजन श्याम सुंदर सिंह पटेल संस्था संरक्षक ने किया कार्यक्रम में जीवन ज्योति अस्पताल नारायण स्वरूप अस्पताल विनीता हॉस्पिटल के योग्य डॉक्टर नर्सिंग स्टाफ ने सभी का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया वह जरूरतमंद को निशुल्क दवाएं भी दिया सभा कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तत्पश्चात सरस्वती वंदना व गणेश वंदना डॉक्टर रश्मि शुक्ला ने किया तथा स्वागत गीत व मधुर भजन डॉक्टर चंद्र मुखर्जी जी ने अपने वाद्य यंत्र के साथ प्रस्तुति किया जिससे वातावरण खुशनुमा व उत्साहवर्धक बना तत्पश्चात छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा गीत व कविताओं से लोगों को मनमुग्ध किया जिसमें कुमारी काव्या अग्रहरि ने राम कथा सुना कर सभी को प्रसन्न किया, कुमारी रिचा त्रिपाठी ,प्रियंका दुबे तथा जयप्रकाश पटेल ने महिला सशक्तिकरण हेतु जागरूकता लाने पर जोर दिया जिसकी प्रस्तुतियां सराहनीय रही

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय सांसद केसरी देवी पटेल ने अपनी वर्चुअल शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज महिलाएं सशक्त हो रही है हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है इनकी तरक्की होने से ही देश व समाज का विकास होगा इसलिए इन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना चाहिए ऐसे आयोजन का यही तात्पर्य है मैं सभी आयोजको को अपनी शुभकामनाएं व बधाई देती हूं कहा

तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित श्रीमती अनिता सचान सदस्य ,राज्य महिला आयोग ने कहा कि महिलाएं पहले निर्भर रहती थी अब आत्मनिर्भर हो रही हैं शिक्षा से जागरूकता आई है इसीलिए महिलाएं आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है यहां तक कि देश का सर्वोच्च पद राष्ट्रपति ,राज्यपाल ,वैज्ञानिक बन रही है इतना ही नहीं सेना में कमांडर फाइटर व बहादुरी व साहसिक भरे पदों पर पहुंचकर देश की सेवा कर रही है महिलाओं व बच्चों में संस्कार देना बेटी बेटा में कोई फर्क ना रखना यह हम सबका दायित्व है दोनों को समान रूप से देखरेख करें उनकी निगरानी रखें और उन में संस्कार डालें उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दें जिससे देश आगे बढ़ेगा इसी प्रकार अन्य वक्ताओं ने भी प्रेरणादायक विचार रखें जिस पर सभी ने खुशी जाहिर किया तत्पश्चात 301 महिलाओं को मंच से सम्मान पत्र स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तत्पश्चात कवित्री डॉ स्नेह सुधा, सरिता मिश्रा ,क्षमा द्विवेदी ,चेतना प्रकाश ,सिंपल काव्यधारा ,मंजू प्रकाश ,सविता शुक्ला ,मोहिनी कुमारी ,उर्वशी उपाध्याय,महक जौनपुरी, स्वाती निरखी ,संगीता श्रीवास्तव ,विजयलक्ष्मी ,निर्भय मंदाकिनी ,कीर्ति जयसवाल ,मीनू श्रीवास्तव ,रतन कुमारी वर्मा आदि कवित्रीयों ने अपनी रचनाओं व काव्यधारा से सभी का खूब मनोरंजन किया व धूमधाम से कार्यक्रम संपन्न हुआ अंत में सभी का धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्षता कर रहे डॉ रश्मि शुक्ला ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रुप से उपस्थित लोगों में श्याम सुंदर सिंह पटेल ,आर यस वर्मा, डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय, संस्था के संरक्षक गण ,प्रदेश अध्यक्ष डॉ स्नेह सुधा, रश्मि शुक्ला ,शिवा त्रिपाठी ,लक्ष्मी तिवारी ,इस्वरचंद्र तिवारी, रानुआ देवी,बच्चा लाल प्रजापति ,मानस तिवारी ,सुजीत वर्मा ,रुचि सिंह ,प्रवीण कैथवास, प्रेमलता श्रीवास्तव, वंदना सिंह, सुनीता शुक्ला, शिव चरण सिंह, संत पाल स्वरूप ,पवन कुमार मिश्रा ,पीहू नेहा ,कामिनी ,जूही ,दीपाली आदि सैकड़ों महिलाएं शामिल रहे कार्यक्रम के दौरान जलपान ठंडाई नाश्ता आदि के साथ आनंददायक कार्यक्रम रहा अंत में श्याम सुंदर सिंह पटेल ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम को संपन्न कराया श्याम सुंदर सिंह पटेल संरक्षक एवं मीडिया प्रभारी अखिल भारतीय अग्निशिखा मंच प्रयागराज मोबाइल 9454 25 5801 दिनांक 12 .3. 23।

34 अखिल भारतीय डाक हॉकी प्रतियोगिता मे भाग लेने हेतु उत्तर प्रदेश डाक परिमण्डल की टीम घोषित की गई हैं

34 अखिल भारतीय डाक हॉकी प्रतियोगिता मे भाग लेने हेतु उत्तर प्रदेश डाक परिमण्डल की टीम घोषित की गई हैं। जिसमे प्रयागराज रीजन के 6 (छै) हॉकी खिलाड़ियों का चयन हुआ है, चयनित खिलाडी श्री राजेश वर्मा, मोहम्मद असद, श्री आशीष दिर्वेदी, श्री अरविन्द यादव, श्री अंकुश शुक्ला, मोहम्मद शरीक, श्री राजेश वर्मा,जन सम्पर्क निरीक्षक प्रधान डाक घर प्रयागराज मे कार्यरत हैं जो वर्ष 1992 से लगातार उत्तर प्रदेश परिमण्डल टीम का प्रतिनिधित्व किया हैं टीम मे प्लेइंग मेंबर के रूप मे शामिल रह रहे है, आशीष दिर्वेदी, डाक सहायक दारागंज डाकघर , मोहम्मद असद डाक सहायक जी. टी. बी. नगर डाकघर, श्री अरविन्द यादव, डाक सहायक कचेहरी प्रधान डाकघर, श्री अंकुश शुक्ला, डाक सहायक प्रधान डाकघर प्रयागराज, मोहम्मद शरीक, आर. एम. एस. प्रयागराज शएश डिवीजन मे कार्यरत है प्रयागराज के डाक कर्मचारियों के टीम मे चयन होने पर डाक विभाग के श्री प्रमोद राय, आनन्द शर्मा, खुर्शीद अकरम, गौरव कुमार, आशीष चटर्जी, वी एस पाल, आदि कर्मचारियों ने बधाई एवं शुभकामनायें दिया हैं.

गायत्री शक्तिपीठ रायबरेली ने निकाली विशाल जन जागरण शोभा यात्रा

प्रयागराज। अखिल विश्व गायत्री परिवार के मनीषी वैज्ञानिक अध्यात्मवाद के प्रखर चिंतक, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति श्रद्धेय डॉ चिन्मय पंड्या के द्वारा गायत्री शक्तिपीठ रायबरेली पर नव निर्मित परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वन्दनीया माता भगवती देवी शर्मा के शरीर स्वरूप प्रखर प्रज्ञा –सजल श्रद्धा के लोकार्पण एवं कल राजकीय इण्टर कालेज मैदान में विशाल जनसमुदाय के उद्बोधन में भागीदारी के निमित्त गायत्री परिवार रायबरेली द्वारा एक विशाल जन जागरण शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें आगे आगे पीले वस्त्र में साइकिल सवार,पीछे मोटर साइकिल, स्कूटी सवार महिला पुरुषों की टोली, गुरु देव के सप्त आंदोलनों की झांकी, कारों की लम्बी कतारों से पूरा नगर गुंजायमान रहा। जगह–जगह विभिन्न सामाजिक संगठनों जैसे द शिव शक्ति मानव सेवा मंडल आदि तथा जनसमुदाय द्वारा पुष्प वर्षा करके जलपान मिष्ठान वितरण की व्यवस्था करके शोभायात्रा का स्वागत किया गया। जनपद के विभिन्न अंचलों से पधारे युवाओं, गायत्री परिजनों ने मिशन के नारों हम बदलेंगे युग बदलेगा, नशा नाश की जड़ है भाई, फल इसका अतिसय दुखदाई आदि तथा प्रज्ञा गीतों हम गायत्री मां के बेटे तुम्हें जगाने आये हैं आदि के उद्घोष से नगर के गणमान्य नागरिकों में मानवीय गरिमा को जागृत करने का प्रयास किया। गायत्री परिवार के युवाओं एवं परिजनों द्वारा शोभायात्रा मार्ग और चौराहों पर यातायात का अनुकरणीय योगदान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन ने बहुत ही अच्छा सहयोग किया। सरेनी, लालगंज, गुरुबखध्शगंज, खीरों, बछरावां, हरचंदपुर, महराजगंज, शिवगढ़,अमावां, छतोह, सलोन, जगतपुर,डलमऊ, कुंडा एवं रायबरेली नगर से भारी संख्या में श्रद्धालु परिजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विशेष आकर्षण का केंद्र प्रांगण में लगा साहित्य विस्तार पटल रहा,जहां पर परम पूज्य गुरुदेव द्वारा लिखित साहित्य,वेद, पुराण, वांग्मय, गायत्री महाविज्ञान, कर्मकाण्ड भास्कर आदि ब्रह्म भोज योजना के अन्तर्गत आधे मूल्य पर उपलब्ध करवाया गया, जिसको जनसमुदाय द्वारा भारी मात्रा में क्रय किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि धर्म प्राण दानदाताओं द्वारा समस्त साहित्य का आधा मूल्य दान के द्वारा उपलब्ध कराया गया, शेष आधा मूल्य साहित्य क्रेताओं द्वारा भुगतान किया गया। साहित्य के अलावा देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा स्वावलंबन विभाग में निर्मित उत्पाद एवं स्वावलंबन केन्द्र गायत्री शक्तिपीठ आंवलखेड़ा में निर्मित गौ उत्पाद, शांति कुंज हरिद्वार में निर्मित वनौषधियां के स्टाल जन सामान्य में विशिष्ट आकर्षण के केन्द्र रहे। सायं कालीन बेला में सायं 4 बजे से 7 बजे तक गायत्री दीप महायज्ञ शांति कुंज प्रतिनिधि प्रोफेसर हिमांशु त्रिवेदी एवं उनकी टीम द्वारा बहुत ही प्रेरणादाई संदेशों के द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर अशोक तिवारी, गिरीश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, मोहन सिंह, ओमप्रकाश ओझा, उर्मिला, रेनू, कृष्णा, पुष्पा, ऊषा, विमला, प्रतिमा, महेंद्र अग्रवाल, राजेन्द्र अवस्थी, राजन दीक्षित, बलवंत त्रिवेदी, मनोराम, हरी कान्त शर्मा, वी बी सिंह,आर सी श्रीवास्तव, अनिल जायसवाल, डॉ तहसीलदार सिंह आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी गायत्री परिवार के प्रवक्ता डॉ भगवानदीन यादव द्वारा दी गई।

सम्पादकीय

मैं बोलूँगा तो बोलोगे कि बोलता है

(लंबी उम्र वरदान या अभिशाप)

पृथ्वी पर पैदा होने वाले सभी जीव जंतुओं के लिए ये पृथ्वी किसी स्वर्ग से कम नही।हर प्राणी जन्म लेने के बाद किसी भी हालत में जिंदा रहना चाहता है।पृथ्वी पर मौजूद सभी प्राणियों में मनुष्य सबसे बुद्धिमान जीव है।पृथ्वी पर मौजूद सभी भौतिक सुखों का आनंद मनुष्य लेने में सक्षम है इसलिए हर मनुष्य की हार्दिक इच्छा होती है वह अधिक से अधिक उम्र तक जिंदा रहे ताकि वह हर सुख का आनंद ले सके।लेकिन किसी भी प्राणी के शरीर की अपनी एक क्षमता है ,और उसी क्षमता के आधार पर हर जीव का जीवनकाल निर्धारित रहता है और उसमें थोड़ा बहुत परिवर्तन हो सकता है लेकिन हर प्राणी का औसत आयु कमोबेश एक ही रहता है।अगर हाथी पचास साल से अस्सी साल तक जी सकता है तो वह उसी जीवनकाल को प्राप्त करके दुनिया छोड़ देता है और ये बात हर प्राणी पर समान रूप से लागू होता है।और मनुष्य भी इसका अपवाद नही है।मनुष्य की सोचने और समझने की क्षमता अधिक है इसलिए उसकी संवेदनशीलता भी बाकी प्राणियों से अधिक होता है और यही कारण है कि मनुष्य को इस पृथ्वी का मोह सबसे अधिक होता है।गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति भी और अधिक जीने की लालसा रखता है।लेकिन शारीरिक रूप से लाचार व्यक्ति खुद तो कष्टपूर्ण जीवन जीने को बाध्य रहता है और साथ में दूसरी तरफ उसके तीमारदारी करने वाले भी बहुत तकलीफ में रहते हैं। एक बुजुर्ग व्यक्ति जब शारीरिक रूप से लाचार होता है तो वह किसी ना किसी अपनों के रहमोकरम पर जीने को बाध्य रहता है।ज्यादातर मामलों में किसी भी बुजुर्ग की सेवा उसके अपने बच्चे ही करते हैं।लेकिन जब व्यक्ति शारीरिक रूप से एकदम लाचार हो जाता है और अपने बिस्तर पर ही दैनिक नित्य क्रियाकर्म करने को मजबूर हो जाता है।इस हालत में इस तरह के लोगों के लिए सेवा करना परिवार वालों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।पहले संयुक्त परिवार होता था तब किसी बुजुर्ग की सेवा करना आसान होता था लेकिन आज के एकल परिवार में किसी भी बुजुर्ग की सेवा करना बहुत दुरूह कार्य होता है।एक तो आजकल बहुत से परिवार में पति पत्नी दोनों कामकाजी होते हैं और उन्हें घर से बाहर रहना होता है और अगर ऐसे में घर में कोई बुजुर्ग व्यक्ति हो और वह शारीरिक रूप से लाचार हो तो उसकी तीमारदारी करना बहुत मुश्किल हो जाता है।कई बार हम किसी भी व्यक्ति पर बगैर सोचे समझे ये इल्जाम लगा देते हैं कि वह अपने माँ बाप की सही तरीके से सेवा नही कर रहा है।लेकिन किसी भी व्यक्ति के लिए लगातार किसी ऐसे बुजुर्ग व्यक्ति की सेवा करना जो शारीरिक रूप से लाचार हो आसान काम नही है।दो चार दिन की बात हो तो कोई भी खुशी खुशी ये कार्य कर लेता है लेकिन यही कार्य अगर लंबी अवधि तक करना पड़े तो सेवा करने वाला व्यक्ति ऊबने लगता है और ये एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।आप जरा कल्पना करें अगर किसी व्यक्ति को रात में कई बार सोते से उठना पड़े और सुबह उसे अपने कार्यस्थल पर जाना पड़े तो वह कैसे अपना कार्य सही तरीके से कर पायेगा।और ये अक्सर उनके साथ होता है जिनके घर में कोई बुजुर्ग व्यक्ति बिस्तर पर लाचार अवस्था में रहता है और रात भर किसी ना किसी चीज के लिए आवाज लगाता रहता है। और इस अवस्था में लंबे समय तक ऐसे व्यक्ति की तीमारदारी करना बहुत कष्टदायक होता है।ये कड़वी सच्चाई है और इसे हमे स्वीकार करना पड़ेगा।दरअसल हमलोग भावनाओं में बहकर सिर्फ एक पक्ष देखा करते हैं।हम बहुत आसानी से कह देते हैं कि उस बुजुर्ग की सेवा उनके बच्चे नही कर पा रहे हैं लेकिन होता यह है कि लगातार लंबे समय तक इस तरह की सेवा में थोड़ी बहुत शिथिलता जरूर आ जाती है।दरअसल शरीर की भी एक क्षमता होती है और जो उम्र के साथ घटने लगती है।एक उम्र के बाद जीवन जीने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है।जीवन की सार्थकता तभी तक है जबतक आप उसका लुफ्त उठा पाएँ।केवल जीने के लिए जीना कोई मायने नहीं रखता है।आप खाने पीने का स्वाद या सेक्स का आनंद उठा पाएँ या कपड़े आपके शरीर पर फबे तभी तक जीने का आनंद है।केवल दवाइयों के बदौलत लंबी अवधि तक जीना किसी मतलब का नही होता है।साठ सत्तर साल के बाद जीवन एकदम से बेमायने हो जाता है।अगर आप कोई गंभीर बीमारी से पीड़ित नही है और आप अपनी फिटनेस बनाये हुए हैं तो जरूर आपको जीने में मजा आएगा लेकिन लाचारगी की अवस्था में जीना आपके साथ साथ आपके परिवारवालों के लिए भी दुखदाई होता है।किसी के लंबी उम्र से किसी को कोई आपत्ति नहीं होता है लेकिन लंबी उम्र खुद अपने पर या आपके घरवालों पर बोझ बन जाये तो जीवन की सार्थकता खत्म हो जाती है।वैसे जीना मरना किसी के वश में नही रहता है। अगर आपके डी एन ए में लंबे उम्र का जीन है तो आपकी उम्र के अधिक होने की संभावना बढ़ जाती है। वैसे व्यक्ति के पैदा होते ही ये बात निर्धारित हो जाती है कि आपका लिवर कितना दिन कार्य करेगा या किडनी कितने दिनों तक कार्य करेगा या दिल कितने दिनों तक कार्य करेगा।ये सब तय रहता है। आपके रहन सहन से इसमें कमी जरूर आ सकती है लेकिन उसको बढ़ाया नही जा सकता है।ये सोच लेना कि हम कसरत या योग करके चार सौ साल जी लेंगें ये सर्वथा नामुमकिन है।इन सब से सिर्फ आपके आखरी दिन सहूलियत से गुजर जायेंगें।लेकिन इसकी भी कोई गारंटी नहीं है।इसलिए लोगों को लंबी जीवन भले मिले लेकिन वह पूरी तरह स्वस्थ हो और किसी और पर निर्भर नही हो।वरना जीवन एक अभिशाप की तरह हो जाता है। दुनिया का सबसे दुःखद अवस्था वह होती है कि आप दैनिक नित्य क्रियाकर्म के लिए दूसरों पर आश्रित रहें।

कर्मचारियों को प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन

का लाभ दिया जाना चाहिए— पूरे भारत के सभी राज्यों में जहाँ देखो वहीं पुरानी पेंशन के लिए कर्मचार्यों मे हाहाकार मचा हुआ है।कर्मचारी किसी भी विभाग का क्यों न हों,शासन ने इस पुरानी पेंशन को जब से बंद किया है और उसकी जगह अंशदायी पेंशन योजना लागु किया है तब से कहीं न कहीं कर्मचारियों की आवाज उठती रही है,और वर्तमान में उठ भी रही है। और जब तक पुरानी पेंशन नहीं मिल जाती तब तक यह आवाज उठती भी रहेगी। वैसे छत्तीसगढ़ शासन ने इसपर विशेष पहल करते हुए कर्मचारियों के हित में अपने पिछले बजट में इसकी घोषणा की थी।लेकिन इसमें वस्तुस्थिति साफ नजर नही आई।कर्मचारियों की मानें तो इसमें बहुत लोचा है,इसके नियम स्पस्ट और उचित नही है।इसकी जब घोषणा हुई तो इसकी शुरआत कब से की जाएगी?कैसे वेतन निर्धारित की जाएगी?आदि—आदि।कर्मचारियों के द्वारा लगातार शासन पर स्थिति स्पस्ट करने के लिए दबाव डाला गया, तब यह आदेश आया की उनकी संविलियन तिथि से ही उनको पुरानी पेशन का हकदार माना जाएगा। या फिर संविलियन तिथि से जिनकी सेवा 10 साल हो गई हो, उसको इसका लाभ मिलेगा।ऐसा आदेश पाकर कर्मचारियों को रास नही आया बात सही भी है। क्योंकि 2018 में शिक्षा कर्मियों को संविलियन किया गया।और इसी सन से पुरानी पेंशन की गणना की जाएगी।इस हिसाब से इनकी सेवा की अवधि बहुत कम हो गई।यहाँ पर सोचने वाली बात यह है की उक्त सेवा में आये कर्मचारियों को आज की तारीख में लगभग 25 साल से अधिक हो गये हैं।पिछली सेवा पर कुठाराघात हो गया।कर्मचारियों के संघ नेताओं का यह कहना है की—ʺइसका लाभ हमें प्रथम नियुक्ति तिथि से प्रदान किया जाय।यदि संविलियन तिथि से इसका लाभ दिया जाता है तो यह कर्मचारियों के प्रति अन्याय होगा। और इससे बहुत नुक्सान होगा।इस प्रकार से पुरानी पेंशन का कोई औचित्य ही नही रह जायेगा।उन्होने आगे यह बताया की हमें जीवन भर के इस सेवा का प्रतिसाद मिलना चाहिए।क्योंकि यह एक शासकीय कर्मचारी का हक है।सेवा निवृत के बाद आखिर में वह किसके सहारेजीवन यापन करेगा।जीवन के आखिरी पढ़ाव बुढ़ापा में वह कुछ कर भी नही सकता।यही उसके सहारा का एक मात्र उपाय है।शासन के सभी सेवकों को चाहे वह नेता हो या सामान्य कर्मचारी यह पेंशन तो मिलता ही है।तो इसी शासन की सेवा करने वाला कर्मचारियों को प्रथम नियुक्ति तिथि से पेशन का लाभ क्यों नही दिया जा रहा,खेद का विषय है।अतः शासन को इस पर साहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए प्रथम नियुक्ति तिथि से इसका लाभ अवश्य प्रदान किया जाना चाहिए।

तपती जिन्दगी

हलवाई की भट्टी सा तपता दिन, मातम मनाते से खामोश पेड़ और उन पर बैठे धूप के आंतक से भयभीत चीखते चिल्लाते कौवे। यहाँ से वहाँ तक जंगल उदास खामोश। धरती पानी के अभाव में फटी—फटी सी आँखों से आसमान को घुरती। गाये बीमार सी रम्भा ती दौड़ती। हर वर्ष गर्मी के मौसम में गाँव वाले को काम की तलाश में सुदूर अंचलो में निकल जाते अपनी बीवी और बच्चों को छोड़कर काम की तलाश में। सोमला भी अपनी बीवी और दोनों मासूम बच्चों को छोड़ कर चल दिया था काम की तलाश में शहर। बीवी , बच्चे भी चिलचिलाती धूप और गरम हवाओं के बीच बैचेन मुरझाते, इंतजार में रहते थे झोपड़े के मालिक सोमला के कब काम से लौट घर आयेगा। इधर सोमला दिन भर चिलचिलाती तेज धूप में कोलतार की गरम गरम सड़कों पर नंगे पैर गेती उठाये, पसीना बहा लगा रहता मजदूरी में। माह, दो माह की मजदूरी समेट खुशी खुुशी कुछ कपड़े, और मिठाई ले वह लोटता है गाँव में। सोमला घर आ कर आँगन में खड़ा इंतजार करता है अपने बच्चों का कि वे दोड़कर आये और खुशी से लिपट जाय उससे। पर ऐसा नहीं हुआ। बच्चे घर के भीतर से लू में लिपटे आंगन में खड़े अपने पिता सोमला को निहारते है खटिया पर लेटे हुए उनमें ताकत नहीं कि उठे, खुशी से झूमे और लिपट जाए अपने बाप से।।।।

डॉ रामशंकर चंचल
झाबुआ मध्य प्रदेश

तमिल से हिन्दी अनुवाद का एक दृष्टिकोण

अनुवाद इसके प्रयोग का इतिहास प्राचीन है। भाषिक, सामाजिक और सासंकृतिक संदर्भों में अब तक इसका उपयोग आवश्यक रहा है। भविष्य में भी इसका उपयोग और अधिक रहेग। ई. पूर्व कालखंड में मौलिक रचना के समान, अनुवाद और रुपांतरण या भाषातंरण को भी साहित्यिक प्राप्त की। विशेषकर संस्कृत, प्राकृत के धार्मिक, पौराणिक ग्रंथों के अनुवाद की सर्वमान्य लोकप्रिय प्रतिष्ठा प्राप्त हुई थी। संस्कृत, यूनानी, अरबी आदि प्राचीन भाषाओं की तरह तमिल में भी प्राचिन काल से ही अनुवाद की उपयोगिता सर्वमान्य रही। ई. पूर्व शती के तमिल लक्षण — ग्रंथ श तोल्काप्पियम श में जो उपलब्ध प्राचीनतम लक्षण ग्रंथ है, समस्त ग्रंथों के दो वर्ग कहे गये हैं श मौलिक और अनुवादित। अनुवादित ग्रंथों को अनुवर्ती के रुप में माना गया है। परवर्ती कालखंड में ई. की प्रारंभिक शतियों में श मणिमेखलै,श जीवन चिंतामणि श, वलैयापति श, कुंडलकेशी, आदि तमिल महाकाव्य तो बौद्ध — जैन ग्रंथों के आधार पर प्राकृत भाषा से अनुदित हुए। इस जमाने में वैदिक सनातन धर्म के साथ, बौद्ध जैन और सिद्ध संप्रदायों का प्रभाव — प्रसार तमिल प्रदेश में प्रबल हो चुका था। इनकी अनुकृति में श कम्बरामायण श,विल्लिपुत्तुरार भारतम, कंदपुराणम, शिवपुराणम, प्रभूलिंगलीलै, आदि काव्य पुराण ग्रंथों की रचना हुई। शैव — वैष्णव भवित परंपराएँ तिरुमरै श (शैव वेद) दिव्य प्रबंधम, (वैष्णव भक्तति गीत ध्‍ द्रविड वेद) और सिद्धरों की गाना (संत के गीत) आदि प्रशस्त हुए। इनमें दार्शनिक, सांस्कृतिक, सांप्रदायिक तत्वों का समावेश भिषातंरण के रुप में तमिल में आये। तमिल प्रदेश के साथ उत्तर भारत का संपर्क — समन्वय वैदिक काल में अगस्तय, कपिल मुणि, भरद्वाज मुणि, आदि महार्षियों के द्वारा, बाद में उनके अनुनायियों के द्वारा बढता रहा। ऐसे भाषातंरण छायानुवाद थे, जो मौलिकता लिए हुए।

प्रभावशाली और स्तरीय साहित्यिक सौष्ठवपूर्ण बन परे हैं। सन् 1918 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की परिकल्पना के फलस्वरुप दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा की स्थापना हुई। तब से दक्षिण के चारों प्रांतों में हिन्दी का व्यापक प्रसार — प्रचार होने लगा। प्रारंभ में, हिन्दी मेंदक्षिणी भाषाओ में लोकप्रिय साहित्य रचनाओं का अनुवाद अधिक मात्रा में हुआ। सन् 1960 के बाद कुछ तमिल भाषा युवक जो हिन्दी सीखकर उस पर दक्षता प्राप्त कर चुके हैं इस क्षेत्र में आए। तमिल से हिन्दी में अनुवाद करने का अभियान इन रचनाकारों द्वारा जोर पकडा। दक्षिण के हिन्दी पंडितों ने जो साहित्यिक लगन, रुचि रखते थे, तमिल साहित्य ग्रंथों को हिन्दी में स्वयं अनूदित किया था और स्वयं प्रकाशित भी किया था। प्रेमचंद जी जब श हंस श पत्रिका के प्रकाशक थे, तमिल कहानियों को दक्षिण में हिन्दी लेखकों के द्वारा अनूदित कराकर प्रकाशित किया, कुछ संग्रह भी निकाले।

हिन्दी से तमिल साहित्य का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करने वाले पहले विद्वान हैं श्री पूर्णम् सोमसुंदरम। तमिल और उसका साहित्य शीर्षक की अपनी लघु पुस्तक में उन्होंने तमिल साहित्य रुपरेखा मात्र प्रस्तुत की। बाद में न. वी. राजगोपालन ने तमिल साहित्य का नवीन इतिहास शीर्षक की अपनी कृति में तमिल साहित्य के विभिन्न युगों की साहित्यिक प्रवृत्तियों का अपेक्षाकृत विस्तार से विवेचन किया है। पी जयरामन ने ʺ आधुनिक साहित्य सर्वेक्षण ʺ शीर्षक अपने निबंध में आधुनिक तमिल साहित्य की प्रवृत्तियों का विवेचन किया है। डां. एम. शेषण ने तमिल साहित्य श एक झाँकी श शीर्षक अपनी पुस्तक में तमिल भाषा और साहित्य के विभिन्न आयोमों, विभिन्न काल की प्रवृत्तियों एवं तमिल के प्रमुख कवियों की गंभीर विवेचना प्रस्तुत की। इनमें प्रमुख व प्रशस्त रचनाकर थे — डॉ. एम शेषण, डॉ. र. शौरिराजन, डॉ. पी. के. बाल सुब्रमणियन, डॉ. एस. सुब्रमणियन, विष्णुप्रिया, डॉ. एन. सुंदरम, डॉ. एम. गोंविदराजन, डॉ. ए. भवानी, डॉ. आर. एम. श्रीनिवासन, डॉ. एच. बालसुब्रमणियन, राजू शर्मा, पा. वेंकटकृष्णन, त. शा. क. कण्णन, सुमतीन्द्रन, टी. इ. एस. राघवन, पूर्णम, सोमसुंदरम, डॉ. एन. गणेशन, डॉ. पी. जयरामन, डॉ. एस. विजय।

श्रीनिवास राघवन ने वैष्णव भक्त आलवारों की कृति श नालायिर दिव्यप्रबंधम श का हिन्दी रुपांतर दिव्य प्रबंधम के नाम से किया जो शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय से प्रकाशित हुआ। सुब्रहमण्य भारती का प्रसिद्ध खंडकाव्य पांचाली शपथम् का हिन्दी रुपांतर श्रीमती हां कि वालम ने किया। के. ए. जमुना ने भारतीय कविता, हिन्दी वार्षिकी भाषा आदि पत्र — पत्रिकाओं के लिए तमिल साहित्य के नये पुराने अनेक कवियों की रचनाओं का हिन्दी रुपांतर प्रस्तुत किया। ह. दुरैस्वामी ने तमिल में शैव वाड्मय लिखा। एम. शेषण ने साहित्य आकादमी के अनुरोध पर, भारती ,कालमुम करुत्तुम, का हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत किया। जो अकादमी से प्रकाशित है। टी. शेषाद्रि ने तमिल के अन्यतम प्रंबधकाव्य, मणिमेखलै का हिन्दी गद्यानुवाद किया। जो भुवनवाणी ट्रस्ट, लखनऊ द्वारा प्रकाशित हुआ। इस महाकाव्य का एक पद्यानुवाद एस. एन. गणेशन ने भी किया जो कि मद्रास विश्वविद्यालय से प्रकाशित है। आधुनिक काल में तमिल के राष्ट्रकवि के नाम से प्रसिद्ध सुब्रमणिय भारती की कविताओं का हिन्दी अनुवाद टी. शेषाद्रि ने किया है। डॉ. एन. सुदंरम ने सुब्रहमणिय भारती की राष्ट्रीय कविताएँ शीर्षक से मात्र कतिपय राष्ट्रीय कविताओं का हिन्दी रुपान्तर प्रस्तुत किया है। पी. जयरामन ने कवि श्री भारती, के नाम से कतिपय रचनाओं का अनुवाद किया। सुश्री आनंदी रामनाथन और युगजीत नवलपुरी दोनों के सम्मिलित प्रयास से भारती की कविताएँ शीर्षक से हिन्दी अनुवाद प्रकाशित हुआ। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंसारण मंत्रालय की ओर से भारती की जन्म शताब्दी के अवसर पर कतिपय कविताओं एवं कुछ गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद प्रकाशित हुआ।

कहानियाँरू— जयकांतन एक कहानिकार हैं। 21 ,शौरिराजन ने लोकप्रिय कथाकर जयकांतन की कहानियों का अनुवाद किया। के.ए. जमुना ने पुदुमैपित्तन की कुछ कहानियों का हिन्दी अनुवाद, पुदुमैपित्तन की कहानियों के नाम से किया है। डॉ. के. ए. जमुना ने तमिल की बीस प्रतिनिधि कहानियों का अनुवाद कथा भारती संकलन में श तमिल कहानियाँ श शीर्षक से प्रकाशित किया है। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास ने हिन्दी में तमिल की प्रतिनिधि कहानियाँ, शीर्षक से एक कहानी संग्रह प्रकाशित किया। के जमुना ने जयकांतन की कहानियों का अनुवाद युग संधि प्रकाशित किया। डॉ पदमावती जी ने युवा तमिल साहित्यकारों द्वारातमिल में रचित 80 से जाता कहानियों का बीसवीं शताब्दी की तमिल कहानियाँ, नाम का हिन्दी अनुवाद प्रकाशित किया। उमा जानकीरामण के तमिल कहानी संग्रह का ऊंजल का झूला, शीर्षक से अनुवाद किया। समकालीन प्रतिनिधि कहानियाँ शीर्षक से तमिल कहानियों को अनुवाद किया हैं। इस तरह एक भाषा से दूसरा भाषा की अनुवाद हमेशा होते रहते हैं।

टी एस शान्ति मदुरै तमिल नाडु।
9486207819

उसने सब को सब दिया है

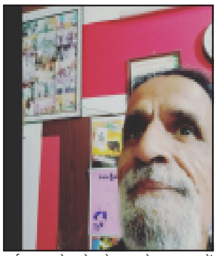

उसने सब को सब दिया है यह एक सत्य है उसने अर्थात ईश्वर ने , सभी मानव जीवन को सब कुछ दे रखा है किन्तु हम अपने आलस्य के और अहम् की वहज से सब कुछ होते हुए भी कुछ हासिल नहीं कर पाते है और बे वहज उस ईश्वर को कोसते उसके दरबार में रोज माथा टेकने के साथ उससे सदा ही कुछ मांगते रहते है
वह भी मन ही मन मुस्कुराता है सोचता हूँ कैसा बेकूफ है सब कुछ है उसके पास पर कुछ करना नहीं चाहता बस
बैठे बैठे सब कुछ हासिल करना चाहता है
अच्छा यह होगा हम अपना समय रात दिन मंदिरों में घन्टों बैठे उससे सदा ही भीख मांगने की बजाय उसने जो सब कुछ दे रखा है उसे देखे, जो अपने भीतर ही है उसे पहचाने और सदा ही कर्मशील रहे तो आपका ईश्वर भी खुश हो जायेगा उसे आपकी चिन्ता रहेगी कि ये रोज कर्म करता है उसका मूल्य तो , कीमत तो उसे मिलना चाहिए और वह आपको देखा अवश्य ही कोई भी बिना कर्म के कार्य के कभी कुछ नहीं देता फिर उपर वाला हो या नीचे वाला और की प्रगति और उन्नति देख परेशान हो अपना कीमती समय बर्बाद करने की बजाय खुद कुछ करें आप भी खुश आपका ईश्वर भी खुश और यह देश समाज और परिवार भी खुश
अच्छा यह होगा हम अपना आल्सीपन और अपने अहम् को त्याग कर कुछ करें सार्थक कार्य जो आपके साथ सभी को सुख चौन और सुकूंन दे
तभी जीवन की सार्थकता है तभी जीवन का रोने कुछ भी नहीं मिला का
या कहें हताशा और निराशा दूर होगी और हम एक सुखद जीवन जीते और के लिए भी प्रेरणा देने वाले इंसान हो
मानव जीवन को सार्थक कर सकते है
जो बहुत बहुत ही मुस्किलो से नसीब होता है

डॉ राम शंकर चंचल
झाबुआ मध्य प्रदेश

आपको सदैव जीवंत रखेंगी आपकी रचनाएं

कृष्ण बिहारी जी की पत्रकारिता पर श्जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि, श्बेहया का जंगलश और श्मकान उठ रहे हैंश जैसे ललित निबंध संग्रह समेत दस से अधिक रचनाएं प्रकाशित और प्रशंसित हो चुकी हैं।यह एक अजीब संयोग है। फरवरी महीने के अंतिम सप्ताह में तय किया गया कि कृष्ण बिहारी मिश्र के गांव बलिहार (बलिया) में उनकी स्मृतयों को संजोने के लिए एक सभागार का निर्माण करवाया जाएगा। 2 मार्च को पटना में पत्रकार स्वमप्रकाश के घर पर कृष्ण बिहारी जी की रामकृष्ण परमहंस की जीवनी पर लिखी अनुपम कृति श कल्पतरु की उत्सव लीलाश पर कई मित्र चर्चा कर रह थे। सारनाथ में 4—5 मार्च को श्बुद्ध की धरती पर कविताश के अंतरराष्ट्रीय आयोजन के अंतिम दिन प्रोफेसर बलराज पांडेय, प्रोफेसर अवधेश प्रधान और बी.एच.यू के ही एक और अध्यापक डॉ विवेक सिंह के साथ कृष्ण बिहारी जी के स्वास्थ्य के बारे में हम बिना किसी प्रसंग के चर्चा कर रहे थे। स्वमप्रकाश पिछले ही महीने कृष्ण बिहारी जी से मिलकर लौटे थे। बता रहे थे कि अब उनका स्वास्थ्य उतना ठीक नहीं है। डॉ.विवेक भी कोलकता के अपने एक मित्र के हवाले से बताए कि रह—रह कर कुछ नया करने का उत्साह तो अभी उनमें दिखाई देता है, पर थोड़े ही समय बाद वह ठंडा पड़ जाता है। शरीर थक जाता है, जुबान लड़खड़ाने लगती है और स्मृति भी कभी—कभी साथ छोड़ने लगती है। पर हमें भरोसा नहीं था कि बलिहार के चौरासी दियर की श्जिवटीश काया की इतनी जल्दी अपनी श्इह लीलाश पूरी हो जायेगी। जी हां! पिछले 7 मार्च को कृष्ण बिहारी मिश्र इस नश्वर संसार से अनन्त की यात्रा पर निकल पड़े, अपने श्ठाकुरश यानी रामकृष्ण परमहंस की खोज में।वैसे कृष्ण बिहारी जी की पत्रकारिता पर श्जातीय चेतना और खड़ी बोली साहित्य की निर्माण भूमि, श्बेहया का जंगलश और श्मकान उठ रहे हैंश जैसे ललित निबंध संग्रह समेत दस से अधिक रचनाएं प्रकाशित और प्रशंसित हो चुकी हैं। पर कृष्ण बिहारी मिश्र जी के ज्येष्ठ पुत्र कमलेश मिस्र जी बताते है किपिताजी खुद कहते है कि श्कल्पतरु की उत्सव लीलाश से बेहतर कोई दूसरी कृति उनकी बन नहीं पायी। इसकी वजह वे बताते है कि जब भी वे उससे बेहतर रचने की कोशिश करते रामकृष्ण परमहंस जी उनके सामने खड़े हो जाते और उसके बाद कुछ सूझता ही नहीं है। खुद कृष्ण बिहारी जी ने लिखा है कि ʺ श्रेयांसि बहु विघ्नानि।

परमहंस श्री रामकृष्ण का जीवन जितना सहज था, उसे अक्षर में रूपायित करना उतना ही विकट चुनौती। पर जब लिखना शरू किया तो लगा जैसे ठाकुर अपनी सहज कौतुकी शैली में मुझसे बोल—बतिया रहे हैं। मुझे केवल लिपिक की भूमिका पूरी करनी है।ʺ

इस पुस्तक को पढ़ने के बाद निश्चित तौर पर यह दावा किया जा सकता है कि— आप वह नहीं रहेंगे, जो आप इस पुस्तक के पढ़ने के पहले थे। एक साथ वेदांत दर्शन, उपनिषद, साहित्य साधना और ठाकुर के जीवन में संगीत के महत्व का पता तो चलेगा ही, साथ ही यह भी कि खुद रामकृष्ण परमहंस जी को असाध्य रोग से पीड़ित होने के बावजूद अपने श्नरेनश (नरेन्द्र दत्त —संन्यास नाम विवेकानंद) को प्राप्त करने में किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। परमहंस जी को अपनी मां से आदेश मिला था इस नारायण रूप बालक को प्राप्त करने के लिए।कल्पतरु की उत्सव लीला में ठाकुर अपने ष्माँष को संबोधित कहते हुए आर्त्त स्वर में कहते हैं कि— रसे बशे राखिश मां!श तर्क बुद्धि मुझमें घुसी कि जीवन भूसा बन जाएगा।श जीवन के रहस्यों का एक सूत्र यहां मिलता है कि जीवन में आस्था—श्रद्धा का महत्व कितना बड़ा है? और केवल तर्क बुद्धि का जीवन में प्रवेश करते ही वह कितना नीरस और नारकीय हो जाता है। तर्कबुद्धि और श्रद्धा का समन्वय ही जीवन के लक्ष्य को साधने में सहायक होता है।एक बार लेखक—साहित्यकार नीलाभ अपने मित्र इरफान के साथ कृष्ण बिहारी जी की कुटिया में पधारे थे।

महिला ने की दबंगों की शिकायत, रिपोर्ट दर्ज

बांदा। नरैनी थाना क्षेत्र के पनगरा गांव मे साथियों के साथ दरवाजे में जाकर धमकाने और गालियां देने पर कोतवाली पुलिस ने 20 से 25 अज्ञात और दो नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र की पनगरा गांव निवासी कविता द्विवेदी पत्नी सत्यनारायण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि गांव का अरविंद त्रिपाठी, और श्रीकांत बीते 8 मार्च को 20 से 25 साथियों के साथ शाम 5 बजे उसके दरवाजे पर पहुंचा और ध्‍ामकाते हुए गालियां दीं तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के समय उनके पति घर में मौजूद नही थे। घटना के बाद से प्रार्थिया के दो छोटे बच्चे भयभीत हैं। पीड़िता ने घटना का वीडियो बनाने का भी दावा किया है। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ उपद्रव करने, धमकाने और शांति भंग करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है, इसके पश्चात आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

काफी लंबे समय से बीमार चल रहे कासिम खान की मृत्यु हो गई 2 : 50 पर अंतिम सांस ली

जाने–माने मशहूर इंडियन टेंट हाउस के मालिक कासिम खान के मृत्यु हो गई है वह काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे वह अपने दोनों पैर से थे उनके दोनों पैरों में खून का दौरा बंद हो गया था तभी 22 मार्च 2021 में उनका ऑपरेशन हुआ था ढाई 2, लाख ,50 हजार रुपया लग गए थे फिर डॉक्टर ने 6 महीने के लिए रेस्ट के लिए बोला था उसके बाद चलने की कोशिश की फिर भी वह नहीं चल पाएऑपरेशन ना सक्सेज होने की वजह से दोबारा ধ150000 की डिमांड किया डॉक्टर ने तो उनके पास इतना पैसा नहीं हो पाया सारी प्रॉपर्टी पहले से ही बेच कर अपने इलाज में पैसे लगा दिए थे अब उनके पास इलाज करने के लिए पैसे नहीं बचे थे बहुत मुश्किल से उनका इलाज छोटी मोटी जगह डॉक्टरों से चलता था बड़े डॉक्टरों को पैसे देने की अब उनके पास नहीं थे तो इसीलिए वह बड़े हॉस्पिटल लखनऊ में पहले इलाज कराया था 9 मार्च 2023 को उनकी अंतिम सांस 2:50 पर रुक गई जिनको लखीमपुर खीरी के जिला हॉस्पिटल में दिखाया गया जहां पर डॉक्टरों ने कासिम को मृत घोषित कर दिया अतः उनके बाय जनाजे की नमाज 8:00 बज कर 40 मिनट पर पढ़ाई गई और उनके बाय जनाजे में काफी लोग उपस्थित रहे।

म्यूजिक धीमा करने का बोलने पर बौखलाया युवक, हेड कांस्टेबल को मारी टक्कर

दिल्ली के द्वारका इलाके में होली के त्योहार वाली शाम को युवक ने दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल को कार से टक्कर मार दी. पुलिसकर्मी ने युवक से कार में बज रहे म्यूजिक धीमा करने को कहा था. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसकी कार को भी जब्त कर लिया है.

दरअसल, होली की शाम को द्वारका पुलिस स्टेशन में तैनात दो पुलिसकर्मी पेट्रोलिंग कर रहे थे. शाम करीब साढ़े आठ बजे कार सवार कुछ लोग तेज म्यूजिक बजाते हुए जा रहे थे. पुलिसकर्मियों ने कार रुकने का इशारा किया. कार चलाक ने कार रोकी, तो पुलिसकर्मियों ने कहा कि म्यूजिक धीमा कर लो. पुलिसकर्मियों के कहने पर कार चालक कार लेकर चला गया. फिर कुछ ही पलों बाद तेज रफ्तार में पुलिसकर्मियों की ओर कार लेकर आ गया. कार आती देख हेड कांस्टेबल जगदीश ने खुद को बचाने की कोशिश की. मगर, फिर भी वह कार की चपेट में आ गए. इसकी वजह से जगदीश को हल्की चोट आई है. टक्कर मारने का प्रयास करने के बाद आरोपी वहां से भाग गए. इसके बाद जगदीश ने अपने साथी पुलिसकर्मी के साथ मिलकर कार का पीछा किया. पुलिसकर्मियों ने काफी दूरी तक आरोपी का पीछा किया. वह तेज रफ्तार कार को भगाता ले गया. फिर बड़ी मशक्कत के बाद पुलिसकर्मियों ने आरोपी कार चालक 29 साल के नितिन गोदारा को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने पाया कि वह नशे में था. नितिन को गिरफ्तार करने के बाद उसका मेडिकल कराया गया. पुलिस ने उसके खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज किया है. पुलिस का कहना है कि कार भी जब्त की गई है. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विश्व पटल पर दादा और पोती(समीक्षा त्रिवेदी) दोनों साथ छाये

मध्य प्रदेश के महान साहित्य साधक लोग बेहद चर्चित लधु कथाकार डॉ रामशंकर चंचल की हाल में ही ग्राम टुडे मै प्रकाशित ताजा लधु कथा को एक ही दिन में एक हजार द्वारा यू टू ब वीडियो सुना गया पूरे विश्व स्तर पर अद्भुत अद्भुत रूप से यह लधु कथा बहुत ही सराही गई सैकड़ों अद्भुत प्रतिक्रिया द्वारा सुखद यह भी है कि इस लधु कथा के लिए सभी चित्र डॉ रामशंकर चंचल की छ साल की छोटी पोती (समीक्षा त्रिवेदी) द्वारा बनाएं गये है जिसके पूर्व भी डॉ चंचल की रचनाओं के साथ बहुत बहुत ही चित्रों का प्रकाशित हुई हैं आज पूरे विश्व स्तर पर एक ही दिन में एक हजार सुने गये, हक लधु कथा में उसके सभी चित्रों को भी पूरे विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है दादा और पोती के इस अद्भुत सत्य कथा के साथ छाये वीडियो सचमुच देश के लिए जिले के लिए प्रदेश के लिए भी बहुत ही गर्व का विषय है कि पूरे विश्व में कई देशों के साहित्य प्रेमी द्वारा भी बहुत सुना और सराहा जा रहा है।

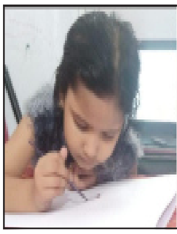

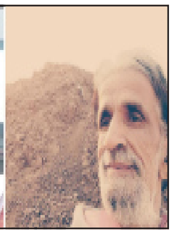

ब्रजनिष्ठ साहित्य-संस्कृति मनीषी : डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन। नगर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर ब्रज से सम्बन्धित उत्कृष्ट लेखन के लिए एक जाना–पहचाना नाम है ।वह पिछले लगभग 40 वर्षों से इस क्षेत्र में पूर्ण शिद्दत के साथ जुटे हुए हैं। उन्होंने लेख,कविता,कहानी,संस्मरण,यात्रा वृत्तांत, रिपोर्ताज एवं साक्षात्कार आदि विधा में जमकर लिखा है और लिख रहे हैं। इन विधाओं में उनकी अब तक कई पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैंरू ष्ब्रज वैभवष,ष्आत्म मंथनष,ष्संस्मरण मालाष एवं ष्मेरी कविताएंष।इसके अलावा उनकी कई अन्य पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं ।डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने वृन्दावन शोध संस्थान में केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ष्ब्रज संस्कृति विश्व कोश परियोजनाष में सह संपादक के पद पर कार्य करके ब्रज संस्कृति की अविस्मरणीय सेवा की है। इसके अलावा वह स्वयं द्वारा संचालित श्रीहित परमानंद शोध संस्थान के माध्यम से ब्रज के प्रख्यात वाणीकारों के साहित्य का संरक्षण करके उसे प्रकाशित भी कर रहे हैं। उनके द्वारा लिखित ब्रज सम्बन्धी एक हजार से भी अधिक रचनाएं देश–विदेश की विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं ।उनके द्वारा लिखे लेखों के अनुवाद न केवल अपने देश की अनेक भाषाओं में अपितु विश्व की विभिन्न भाषाओं में भी प्रमुखता के साथ हुए हैं ।वह दूरदर्शन,आकाशवाणी,फीचर्स एजेंसियों एवं विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं के सूचीबद्ध लेखक हैं। उन्होंने देश की कई प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं के संपादकीय विभाग में उच्च पदों पर कार्य भी किया है।

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ब्रज सेवा संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं ।इस संस्थान के द्वारा समाजसेवा के विभिन्न सेवा प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं ।इसके अलावा वह वृन्दावन की कई अन्य समाजसेवी संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी हिन्दी सेवी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से संबद्ध हैं ।उनके एक पितामह स्व. पंडित सिद्धगोपाल चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में बढ़–चढ़ कर भाग लिया था। साथ ही वह राजनेतिक कैदी के रूप में कई वर्षों तक विभिन्न जेलों में रहे ।इस सबके चलते इनके पूरे परिवार को आए दिन ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों को सहना पड़ा ।डॉ. गोपाल चतुर्वेदी के दूसरे पितामह स्व. पंडित सियाराम चतुर्वेदी ने ब्रिटिश काल में राष्ट्र भाषा हिन्दी के उन्नयन हेतु अनेकानेक कार्य किए। उनके ही अथक प्रयासों से महाकवि देव की जन्म स्थली कुसमरा (मैनपुरी) में ष्महाकवि देव स्मारकष की स्थापना हुई ।डॉ. गोपाल चतुर्वेदी के ताऊ प्रोफेसर स्व. जगत प्रकाश चतुर्वेदी व पिता स्व. वेदप्रकाश चतुर्वेदी भी हिन्दी के जाने माने साहित्यकार थे ।अतरू इनको साहित्य सृजन के संस्कार अपने पूर्वजों से विरासत में मिले हैं। इसलिए वह अपनी 13–14 वर्ष की अल्पायु में ही शब्दों की दुनियां में आ गए थे।

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी की लेखनी समाज प्रबोधन का पुनीत कार्य कर रही है। चूंकि ब्रज उनके दिल में बसता है इसलिए वह ब्रज सम्बन्धी लेखन के आकाश हैं। उनका लेखन सउद्देश्य है, इसलिए वो प्रेरणाप्रद भी है व ऊर्जाप्रद भी है।

ब्रज की माटी की सुगन्ध उनकी भाषा शैली में स्पष्ट दृष्टि गोचर होती है ।उनका साहित्य भगवान श्रीकृष्ण एवं उनके सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर केंद्रित है ।वह ब्रज के गौरव हैं और ब्रज संस्कृति की पहचान भी हैं।

सम्मान व पुरुस्कार

1 – विक्रम शिला हिन्दी विद्यापीठ,भागलपुर (बिहार) के द्वारा ष्विद्या वाचस्पतिष, ष्विद्या सागरष एवं ष्भारत गौरवष सम्मान।
2– वृन्दावन के फोगला आश्रम में सम्पन्न हुए अंतरराष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन में दरभंगा (बिहार) के सांसद गोपालजी ठाकुर द्वारा ष्मिथिला रत्न सम्मानष।
3– कानपुर की प्रख्यात साहित्यिक संस्था ष्मानस संगमष के स्वर्ण जयंती समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश श्री रमेशचंद्र लाहौरी एवं पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी द्वारा सम्मान।
4– कानपुर की प्रख्यात साहित्यिक संस्था ष्अनमोल रत्न सेवा संस्थानष के वार्षिक समारोह में तत्कालीन औद्योगिक विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री सतीश महाना द्वारा ष्संतोष साक्य स्मृति सम्मानष।
5– श्रीकृष्ण लीला संस्थान, वृंदावन द्वारा प्रख्यात रासाचार्य व तत्कालीन विध्ाायक पद्मश्री स्वामी रामस्वरूप शर्मा द्वारा ष्भाई शिवशंकर रामचन्द्र तुलस्यान स्मृति पुरुस्कारष
6– ब्रजनिधि सेवा ट्रस्ट द्वारा उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के तत्कालीन कार्यकारी अध्यक्ष श्री केशरीनाथ त्रिपाठी द्वारा ष्स्वामी मेघश्याम शर्मा स्मृति सम्मानष।
7– ब्रज कला केंद्र, मथुरा द्वारा प्रख्यात संत श्री विजय कौशल महाराज द्वारा ष्स्व. शिवचरण लाल मीतल ब्रज साहित्य पुरुस्कारष एवं ष्माताश्री मुन्नीदेवी मीतल पत्रकारिता पुरुस्कारष।
8– प्रख्यात टीवी चौनल ष्भावनाष के द्वारा मथुरा के तत्कालीन सांसद कुंवर मानवेन्द्र सिंह द्वारा ष्भावना उत्कृष्टता सम्मानष।
9– धामपुर (उत्तर प्रदेश) की प्रख्यात साहित्यिक संस्था ष्अभिव्यक्तिष के द्वारा ष्मानवाधिकार प्रहरी सम्मानष व ष्स्नेह पुंज सम्मानष।
10– इंदौर की प्रख्यात साहित्यिक संस्था ष्श्रीश्री साहित्य सभा के द्वारा ष्साहित्य शिखर सम्मानष
11– वृन्दावन बाल विकास मंच के द्वारा ष्विशिष्ट सेवा सम्मानष।
12– शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) की प्रख्यात साहित्यिक संस्था ष्प्रेरणा परिवारष के द्वारा ष्साहित्य सारंग सम्मानष।
13– झुंझुनूं (राजस्थान) की ष्आदर्श समाज समिति इंडियाष के द्वारा ष गांधी सेवा रत्न अवॉर्डष।
14– ब्रजवासी जगद्‌गुरु परिषद,वृन्दावन के द्वारा ष्गीता रत्न सम्मानष।
15– साहित्य मंडल,नाथद्वारा (राजस्थान) के द्वारा राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी, जयपुर के तत्कालीन अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेन्द्र उपाध्याय द्वारा ष्पत्रकार प्रवर सम्मानष।
16– अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा,वृन्दावन द्वारा ष्पत्रकार शिरोमणिष की उपाधि से अलंकृत।
17– ब्रह्म कीर्ति रक्षक दल, नई दिल्ली के द्वारा ष्लोकतंत्र स्तंभ पत्रकार सम्मानष।
18– नगर पालिका परिषद, मैनपुरी के द्वारा ष विशिष्ट नागरिक सम्मानष।
19– श्रीहित परमानंद शोध संस्थान,वृन्दावन द्वारा ष्श्रीराध्ाा गोविन्द नागार्च स्मृति सम्मानष
20– पंडित हरप्रसाद पाठक स्मृति बाल साहित्यकार पुरुस्कार समिति एवं तुलसी साहित्य संस्कृति अकादमी, मथुरा द्वारा ष्पंडित हरप्रसाद पाठक स्मृति हिन्दी रत्न सम्मानष
21– अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा,वृन्दावन द्वारा ष्वामन भगवान सम्मानष।
22– एलर्ट सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी,वृन्दावन द्वारा ष्न्यूज मेकर्स अवॉर्डष।
23– उत्तर प्रदेश युवा ब्राह्मण महासभा (ब्रज क्षेत्र),वृन्दावन द्वारा ष्प्रबुद्ध जन सम्मानष। आदि के लिए सम्मानित व पुरुस्कृत किया जा चुका है।
24– श्रीराधा सनेह बिहारी सेवा ट्रस्ट (पंजी) के द्वारा ष्गो. अतुल स्मृति सम्मानष ।इनके साथ ही डॉ। गोपाल चतुर्वेदी अमरावती (महाराष्ट्र) की प्रख्यात साहित्यिक संस्था ष्अहिसासष की इंदौर (मध्य प्रदेश) इकाई श्रीमदबल्लभाचार्य तृतीय पीठ श्रीद्वारकाधीश मंदिर,कांकरोली (राजस्थान) श्रीहित पांच सती महोत्सव समिति वृन्दावन श्रीश्री नरहरि सेवा संस्थान,वृन्दावन श्री सनातन संस्कार सेवा संस्थान,वृन्दावन श्रीकृष्ण कीर्ति फाउंडेशन,वृन्दावन श्री हनुमत रामायण समिति,वृन्दावन श्रीराधा नाम प्रचार सेवा समिति,वृन्दावन रोटरी काव्य मंच, इंदौर आदि के अलावा देश–विदेश की अनेकों संस्थानों के द्वारा सम्मानित व पुरुस्कृत किया जा चुके हैं।

शिवसेना नगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडे द्वारा निर्मित विविध कार्यों का उद्‌घाटन

भायंदर। अंबे माता वरिष्ठ नागरिक केंद्र व वाचनालय , एवं आई लव न्यू गोल्डन नेस्ट फव्वारा व सौंदर्यीकरण जो कि नगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडे के नगरसेवक निधि द्वारा निर्मित किया गया, उसका उद्‌घाटन शिवसेना राष्ट्रीय संघटक अशोक तिवारी ,संपर्क प्रमुख सुरेश दुबे, भागवताचार्य बालकृष्ण महाराज, समाजसेवक रत्नाकर मिश्र,राजेश सिंह, शहरप्रमुख शिवशंकर तिवारी,आचार्य सुरेश ओझा, जेबी सिंह, हरिओम पांडे,रामशरण यादव, कमलेश पांडे,पत्रकार अनिल चौहान, अरुण उपाध्याय, अनिल उपाध्याय,चेयरमैन विपिन झा , सेक्रेटरी बाबूलाल शर्मा, वॉयस चेयरमैन फूल कुमार झा,कोषाध्यक्ष आर एस यादव ,पूर्व सचिव मैथ्यू रमानी , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इंद्रलोक उपनगर के कार्यवाह गुलाब झा,आर आर यादव, रामशब्द यादव,ज्ञानी दीदी, रेनू राय,विनोद तिवारी,प्रदीप मिश्र,एवं समस्त न्यू गोल्डन नेस्ट कॉम्प्लेक्स फेडरेशन एवं सभी सेक्रेटरी,चेयरमैन, समस्त वरिष्ठ नागरिकों द्वारा सैकड़ों नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उससे पहले सुबह 10 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज का पूजन एवं आरती विधिवत मंत्रोचार से किया गया। समारोह में समाज सेवा क्षेत्र, व्यापार जगत, राजनीतिक क्षेत्र , और मीडिया क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित हुए। अतिथियों एवम वरिष्ठ नागरिकों का स्वागत स्नेहा पांडे,शैलेश पांडे, शाखाप्रमुख जे पी सिंह, बी एस पाठक, देवेंद्र सिंह, एड अरुण दुबे,विपिन झा,नितिन ओझा, अभिषेक दुबे,संजय गुप्ता आदि ने किया। राजू दुबे एंड ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं होली की झांकी प्रस्तुत की। फूलों की होली का भी सभी ने आनंद उठाया स नगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडे ने कहा कि आज मैं यह जो भी विकास कार्य कर पाई वह सभी आप सभी जनता जनार्दन के आशीर्वाद के कारण ही,और भविष्य में मुझे सदैव आप सभी के आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलता रहेगा ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है ।शैलेश पांडे ने कहा कि स्नेहा पांडे और वो जीवन के आखिरी सास तक समाज की सेवा करते रहेंगे,आज हमे आवश्यकता है कि हम सभी छत्रपति शिवाजी महाराज के बताए हुए रास्ते पर चले। स्नेहा पांडे ने सभी उपस्थित नागरिकों का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया. स्थानीय नागरिक एवं वरिष्ठ नागरिकों ने नगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडे के विकासकार्यो एवं सामाजिक कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं बधाई व आशीर्वाद दिया। समारोह का मंच संचालन साहबदीन पांडे ने किया।

जारी गौशाला का सीडीओ ने किया निरीक्षण, मिलीं अव्यवस्थाएं

बांदा। विकास खण्ड बड़ोखर खुर्द की जारी ग्राम पंचायत की अस्थाई गौशाला का शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण किया। इस दौरान दो केयरटेकर उपस्थित मिले लेकिन वह शराब के नशे मे थे। गौशाला परिसर मे एक गौवंश मृत जबकि तीन गौवंश बीमार मिले। एक गौवंश तालाब के किनारे उठने मे असमर्थ था। गौशाला मे गौवंश के लिए पानी की चरही मे पर्याप्त मात्रा मे गंदगी और गोबर मिला जबकि पीने के पानी की टंकी मे काई जमी मिली। मुख्य विकास अधिकारी वेद प्रकाश मौर्य ने कहा कि यहां की अव्यवस्था देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी तुलसीदास ने कभी भी गौशाला का न तो निरीक्षण किया और न ही यहां की व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए कोई कार्रवाई की गयी। उन्होने खण्ड विकास अधिकारी को सचेत किया कि अपनी ग्राम सभाओं के अंदर आने वाली सभी अस्थाई गौशालाओं मे विभिन्न शासनादेशों के तहत जारी की गयी व्यवस्था मे दिए गये निर्देशों का अनुपालन कराएं। उन्होने कहा कि जारी के गौ–सेवक पर्याप्त लापरवाही कर रहे हैं। यह उचित होगा कि इन गौ–सेवकों को तत्काल हटाकर नये केयरटेकर लगाये जाएं। उन्होने कहा कि गौशाला मे भूसा–चारा नही मिला और न ही परिसर मे लेबलिंग का कार्य कराया गया। जिसके चलते गौवंशों के गिरने और चुटहिल होने की आशंका को दरकिनार नही किया जा सकता।

पेयजल परियोजनाओं की प्रमुख सचिव ने की समीक्षा बैठक

बांदा। जल जीवन मिशन के प्रमुख सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने शनिवार को सर्किट हाउस मे खटान एवं अमलीकौर ग्राम समूह पाईप पेयजल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। इसके पश्चात उन्होने अमलीकौर ग्राम समूह पाईप पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। अमलीकौर ग्राम समूह परियोजना के तहत पाईप पेयजल कनेक्शन, प्रोजेक्ट फ्लो डायग्राम, ओवर हेड टैंक इनटेक बेल, अप्रोच ब्रिज, डब्ल्यूटीपी निर्माण, फिल्टर ब्रेड, एडमिन बिल्डिंग, स्वच्छ जलाशय निर्माण, पाईप लाइन प्रोग्रेस, पीएमसी व पानी की टोंटी इत्यादी की समीक्षा की साथ ही प्रतिदिन कनेक्शन की स्थिति के बारे मे जानकारी लेकर प्रत्येक ब्लॉकों मे प्रोजेक्ट मैनेजर तैनात करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी निर्देश दिए कि मैन पॉवर बढाकर रोजाना 300 से अधिक कनेक्शन कराए जाएं। उन्होने कहा कि यह कार्य आगामी अप्रैल तक प्रत्येक दशा मे पूरा किया जाए अन्यथा दूसरी फर्म को कार्य दे दिया जाएगा। उन्होने यह भी निर्देश दिए कि इसकी माइक्रो प्लानिंग बनाकर जिलाधिकारी को दी जाए। डिप्टी जनरल मैनेजर एनसीसी लिमिटेड सनद नायक को निर्देश दिए कि अमलीकौर ग्राम समूह पाईप पेयजल परियोजना के तहत नलकूप आधारित सर्फेश वाटर परियोजना मे जिले की तीन तहसीलों बांदा सदर, पैलानी व बबेरू के 167 ग्राम पंचायतों के 243 ग्राम आच्छादित हैं जिनका कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। पीएमसी की समीक्षा के दौरान 12 लोगों की टीम होनी चाहिए जबकि इसके लिए केवल 8 लोग ही कार्य कर रहे हैं। इस पर प्रमुख सचिव ने नाराजगी व्यक्त करते हुए एडीएम नमामि गंगे एमपी सिंह को निर्देश दिए कि जो कार्य न कर रहा हो ऐसे लोगों पर तत्काल कार्रवाई की जाए साथ ही आईएसए टीम को निर्देश दिए कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीणों मे जल जीवन मिशन के तहत एक्टीविटी कराई जाए ताकि जन जागरूकता बढ़े। समीक्षा बैठक मे जिलाधिकारी दीपा रंजन, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे, मुख्य विकास अधिकारी, चीफ इंजीनियर राकेश कुमार, अधिशाषी अभियंता जल निगम व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कंचनजंगा टावर कौशांबी , गाजियाबाद ने मनाई विदेशी मेहमानों के साथ रंगारंग होली

यूं तो देश विदेश में हर कोने में होली का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया ! कुछ इसी तरह हर उम्र हर पेशे से जुड़े महिलाओं और पुरुषों ने मिलकर होली का उत्सव सौहार्द पूर्ण वातावरण में होली के पारंपरिक व्यंजनों के साथ गुजिया – तथा विभिन्न स्वाद की खट्टी मीठी कांजी आदि अनेकों व्यंजनों के साथ बड़े धूमधाम से संगीतमय वातावरण में मनाया । । सभी राजनीतिक दलों के विचारधाराओं एवं सभी धर्मों के हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई, यहां तक विदेश से आए मेहमानों ने एक साथ मिलकर होली उत्सव का आनंद लिया ! आकर्षण का केंद्र रही गन्ने के रस से बनाई कांजी यानी ष्राम – रस ष जो स्थानीय निवासी श्रीमती पुष्पा जाखेटिया द्वारा तैयार की गई थी!

कार्यक्रम का आयोजन कंचनजंगा टावर रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री के सी कौशिक –एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट , भागीरथ पैलेस चांदनी चौक के प्रसिद्ध व्यापारी श्री रवि भारद्वाज ने अपने सभी पदाधिकारियों के सहयोग से आयोजित किया !

होली के बहाने जापानी लड़की से बदसलूकी, पकड़े गए 3 लड़के, पढ़ें अबतक का एक्शन

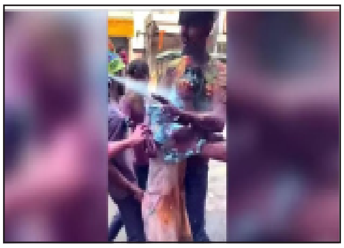

बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हुआ. इसमें कुछ युवक होली के दौरान जापान की एक युवती को बुरी तरह रंग लगा रहे हैं. वीडियो में समझ आ रहा है कि महिला किस तरह भीड़ से परेशान और शोषित महसूस कर रही है. मामले को लेकर अब पुलिस की ओर से बयान जारी किया गया है. इसमें पुलिस ने कहा है कि यह एक विदेशी से संबंधित होली के सोशल मीडियाध डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रहे ट्वीटध्पोस्ट के संबंध में अपडेट है. –वीडियो थाना पहाड़गंज, दिल्ली का है और होली वाले दिन का है.–लड़की एक जापानी पर्यटक है जो दिल्ली के पहाड़गंज में रह रही थी और अब बांग्लादेश चली गई है –दिल्ली पुलिस द्वारा भेजे गए मेल के जवाब में दूतावास के अधिकारी ने पुष्टि की कि लड़की ने न तो दिल्ली पुलिस को और न ही अपने दूतावास को कोई शिकायतध्कॉल किया था. –वीडियो में दिख रहे लड़कों की पहचान अधिकारियों और स्थानीय खुफिया विभाग के गहन प्रयासों के बाद कर ली गई है. मामले में एक नाबालिग समेत तीन लड़कों को पकड़कर पूछताछ की गई है. उन्होंने वीडियो में देखी गई घटना के बारे में स्वीकार किया है. ये सभी पास के पहाड़गंज इलाके के रहने वाले हैं और होली के लिए उस तरफ गए थे. –उनके खिलाफ डीपी एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है, हालांकि दोष के आधार पर और लड़की की शिकायत, यदि कोई हो, के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी. लड़की ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया है कि वह बांग्लादेश पहुंच चुकी है और तन–मन से फिट है. गौरतलब है कि किसी विदेशी महिला के साथ बदतमीजी का यो कोई पहला मामला नहीं है बल्कि पहले भी ऐसे मामले आते रहे हैं. बीते दिसंबर में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें देखा गया कि मुंबई के खार में लाइव स्ट्रीमिंग कर रही दक्षिण कोरिया की एक यूट्यूबर से दो लोगों ने छेड़छाड़ की. इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था. वीडियो में देखा गया कि लाइव स्ट्रीमिंग कर रही कोरियाई महिला एक शख्स ने छेड़छाड़ की. उसने महिला का हाथ पकड़कर खींच लिया. जब महिला मौके से जाने लगी तो वह शख्स मोटरसाइकिल पर दोबारा आया. इस बार उसके साथ एक और शख्स था. उन्होंने महिला को जबरन लिफ्ट देने की कोशिश की और दोबारा उससे छेड़छाड़ की. पुलिस ने मामला संज्ञान में आने के बाद एफआईआर दर्ज की. आरोपियों की उम्र 19 और 21 साल है. दोनों को बांद्रा से ही गिरफ्तार किया गया था.।

कौन है BTech पानीपुरी वाली लड़की? स्कूटी पर बेचती है गोलगप्पे

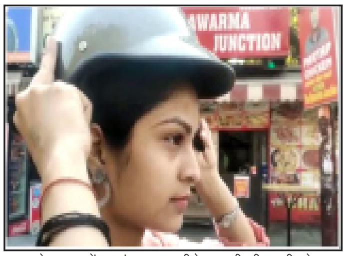

आज के समय में जहां तमाम लोग बेरोजगारी की वजह से परेशान हो रहे हैं, वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो खुद रोजगार के अवसर तैयार कर रहे हैं. आपने डठ। चायवाला, ग्रेजुएट चायवाली की कहानी तो सुनी होगी. अब हम आपको बता रहे हैं B–Tech पानीपुरी वाली के बारे में... दिल्ली के तिलकनगर में तापसी उपाध्याय नाम की लड़की श्बीटेक पानीपुरी वालीश के नाम से गोलगप्पे का स्टॉल चला रही है. इस लड़की के वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहे हैं. दिल्ली की बीटेक पानीपुरी वाली लड़की इन दिनों सोशल मीडिया में छाई हुई है. तापसी इन दिनों बीटेक पानीपुरी वाली के नाम फेसम हो रही है. इस लड़की ने दिल्ली के तिलक नगर इलाके के मार्केट में छोटा सा स्टॉल शुरू किया था. उसने स्कूटी से स्टाल को जोड़ा और घूम–घूमकर एयर फ्राई यानी बिना तेल के फ्राई किए हुए गोलगप्पे बेचना शुरू कर दिया. पानीपुरी का यह अनोखा तरीका लोगों को इतना पसंद आया कि तिलक नगर में सड़क पर काउंटर लगाने वाली लड़की फेमस हो गई है.

इंजीनियरिंग की छात्रा तापसी का कहना है कि उसे शुरू से बाइक चलाना और खाने पीने की चीजों में हेल्दी फूड पसंद था. इसीलिए उसने यह नया प्रयोग शुरू किया, जो लोगों को पसंद आ रहा है. जीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान नए स्टार्टअप का आइडिया आया. इसके बाद बीटेक पानीपुरी वाली के नाम से यह स्टॉल शुरू किया. लोगों को पानीपुरी का स्वाद तो पता ही था, साथ ही गोलगप्पे का अनोखा तरीका लोगों को बेहद पसंद आया. इसी की बदौलत तापसी आज सोशल मीडिया का सेंसेशन बन गई है. हर कोई उसके साथ फोटो लेना, बातें करना और उसके बारे में जानने की कोशिश कर रहा है. तापसी का कहना है कि इस स्टार्टअप का आइडिया उसे कुछ विषम परिस्थितियां आने के बाद आया. उसने निराश होने की बजाय अपने हौसले के साथ पॉजिटिविटी बनाए रखी और और गोलगप्पे का स्टॉल शुरू किया. तापसी को इस स्टॉल की शुरुआत किए तीन महीने हो गए हैं. तापसी ने बताया कि हम पानीपुरी को तेल में तलकर नहीं बनाते हैं. यह हेल्दी फूड है, जिसमें सारा कुछ हाथों से तैयार किया हुआ इस्तेमाल करते हैं. तापसी कहती हैं कि मेरे चार जगह पर स्टॉल लग रहे हैं. इनकी संख्या और बढ़ाने की वह तैयारी कर रही हूं.।

नारी गौरव रत्न सम्मान सम्मानित हुई लखनऊ की रश्मि लहर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्तियों को मिला सम्मान। – सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट ने नारी शक्तियों को सम्मानित कर बढ़ाया गौरव।

जनपद सोनभद्र के कर्मा ब्लाक अंतर्गत सुकृत ग्राम पंचायत में अवस्थित प्रमुख एवं जागरूक स्वयंसेवी संस्था श्सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्टश द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बुधवार को साहित्य, शिक्षा, चिकित्सा, कला एवं संस्कृति सरकारी सेवा, समाज सेवा पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली दर्जनों आधी आबादी को सम्मानित करने का ऐतिहासिक कार्य किया गया।

गौरतलब हो कि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा के नेतृत्व में कार्य करने वाले इस संस्था के अन्य पदाधिकारियों द्वारा समय–समय पर देशकाल और समाज हित में कार्य करने वाले साहित्य मनीषियों, कलमकारों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं प्रबुद्ध जनप्रतिनिधियों को सम्मानित कर उन्हें अपने कार्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित करने का साहसिक कार्य किया जाता है। उसी क्रम में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोनभद्र सहित देश प्रदेश के विभिन्न अंचलों में कार्य करने वाली दर्जनों नारी शक्तियों को श्नारी गौरव रत्न सम्मानश पत्र प्रदान करने का अभूतपूर्व कार्य सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा ने किया है। श्री विश्वकर्मा द्वारा किए गए इस अभूतपूर्व कार्य की सराहना करते लोग नहीं थक रहे हैं।

बताते चलें कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्था द्वारा जिन नारी शक्तियों का सम्मान किया गया है उनमें रश्मि लहर , नीतू सिंह राणा, निधि जैन, दीप्ति गौड़, कु. अर्चना पाठक, प्रभा दुबे, अनीता गुप्ता, सावित्री मिश्रा, मालती विश्वकर्मा, उमा प्रसाद, डॉ . साधना तिवारी, रोमी पाठक, प्रतिभा जैन, देबानजली अधिकारी, दीपा शर्मा, कु. दर्शका गुप्ता, गीता देवी हिमधर, शिखा गोस्वामी षनिहारिकाष, स्मृति सुमन, मनीषा जायसवाल, अंजनी अग्रवाल, डॉ तारा अंशुल, सुखमिला अग्रवाल आदि प्रमुख नारी शक्तियॉ प्रमुख रही हैं।

उत्कृष्ट काव्य पाठ हेतु युवा कवि हरे कृष्ण प्रकाश हुए सम्मानित

लेखन विद्या से जुड़े काली स्थान मधुबनी पूर्णियां के युवा कवि हरे कृष्ण प्रकाश को उत्कृष्ट कवि के रूप में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान लोक संचेतना फाउंडेशन (रजि०) से संबंधित संस्थान प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा एवं संकीर्तन समोत्थान समिति द्वारा होली के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ष्बुरा न मानो होली हैष विषय पर बेहतरीन काव्य पाठ हेतु दिया गया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए युवा कवि हरे कृष्ण प्रकाश ने कहा कि होली के शुभ अवसर पर गूगल मिट के माध्यम से दो दिवसीय ऑनलाइन कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में देश के अलग अलग क्षेत्रों के सौ से ज्यादा कवि शामिल होकर अपनी अपनी प्रस्तुति दी। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के संस्थापक के एल सोनी विनोदी व संगम त्रिपाठी संयुक्त रूप से कर रहे थे। अध्यक्षता कर रहे के एल सोनी विनोदी ने बढ़ाई प्रेषित करते हुए कहा कि युवा कवि हरे कृष्ण प्रकाश साहित्यिक क्षेत्र में उभरते हुए सितारे हैं। उन्होंने कहा कि खुद सृजन तो करते ही हैं और साहित्य आजकल के माध्यम से लगातार साहित्यिक सेवा कार्य भी करते रहे हैं इसके लिए हरे कृष्ण प्रकाश बधाई के पात्र हैं। ज्ञात हो कि युवा कवि हरे कृष्ण प्रकाश को हाल ही में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कला भवन पूर्णियां में आयोजित युवा रंग महोत्सव में भी उत्कृष्ट काव्य प्रस्तुति हेतु सम्मानित किया गया है। इससे पहले भी इन्हें गांधी स्मृति और दर्शन स्मृति नई दिल्ली एवं गांधी ज्ञान मंदिर द्वारा प्रसस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है, इसके अलावा विभिन्न मंचों से काव्य गौरव सम्मान, शांति दूत सम्मान, योग गौरव सम्मान, गुरु द्रोणाचार्य सम्मान आदि सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। हरे कृष्ण प्रकाश ने सम्मानित करने हेतु प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा एवं संकीर्तन समोत्थान समिति मंच के संस्थापक, अन्योजन व सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया।

अंतरराष्ट्रीय शख्शियत डॉ. के.आर.अनेजा की पुस्तक के तीसरे संस्करण का विमोचन

कुरुक्षेत्र अंतरराष्ट्रीय शख्शियत प्रोफेसर के.आर. अनेजा द्वारा लिखित पुस्तक के तीसरे संस्करण का विमोचन अनेजा, पूर्व प्रोफेसर और अध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, और प्रोफेसर आर. एस. मेहरोत्रा, पूर्व प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, केयूके ष्एन इंट्रोडक्शन टू माइकोलॉजीष इस महीने में न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय में आयोजित 24 वीं अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक के दौरान विमोचन हुआ। खरपतवार अनुसंधान (आईसीएआर–डीडब्ल्यूआर), जबलपुर (एमपी) में प्रोफेसर के.आर. अनेजा (आरएसी के सदस्य के रूप में) प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा– डॉ. ए.के. गोगई, पूर्व एडीजी, आईसीएआर (आरएसी के अध्यक्ष), आरएसी के सदस्यरू डॉ. राजबीर सिंह, सहायक महानिदेशक (आईसीएआर न्यू दिल्ली) डॉ. जे.एस. मिश्रा (निदेशक–डीडब्ल्यूआर), डॉ. सी. चिन्नुसामी, पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, कृषि विज्ञान, टीएनएयू, कोयंबटूर, प्रो. पी.एस. बादल (पूर्व प्रमुख, बीएचयू, वाराणसी), डॉ. पी. जे. सुरेश, बायर्स क्रॉप्सय नई दिल्ली, श्री कुलकित राम चंद्र, किसान, श्री ध्रुव कुमार नायक, किसान, डॉ. शोभा सोंधिया, प्रधान वैज्ञानिक और सदस्य–सचिव (आरएसी), तथा अन्य सीनियर वैज्ञानिकों की उपस्थिति में आईसीएआर–डीडब्ल्यूआर, जबलपुर में ऑफलाइन और ऑनलाइन आयोजित विमोचन के समय, प्रोफेसर अनेजा ने यूजी, पीजी, शोध छात्रों और माइक्रोबायोलॉजी, माइकोलॉजी, प्लांट पैथोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी, वानिकी और कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले वैज्ञानिकों के लिए पुस्तक की संक्षिप्त सामग्री और महत्व पर प्रकाश डाला। 2015 में एन इंट्रोडक्शन टू माइकोलॉजी के दूसरे संस्करण के प्रकाशन के बाद से, आधुनिक अनुसंधान तकनीकों और तकनीकी प्रगति के उपयोग के कारण कई विकास हुए हैं। यह पुस्तक माइकोलॉजी के क्षेत्र का व्यापक परिचय प्रदान करती है, यह कवक के आकारिकी, वर्गीकरण, पारिस्थितिकी, विकास, जीवन चक्र और व्यावसायिक उपयोग का वर्णन करती है। यह आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधों और मनुष्यों के रोगजनकों के रूप में कवक की भूमिका से संबंधित है, उनके जैव–प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोगों में सैप्रोट्रॉफ्स और बायोरेमेडिएशन के रूप में उनकी भूमिका पर जोर दिया गया है, खरपतवारों (माइकोहर्बिसाइड्स), पौधों के रोगजनकों ध् रोगों (माइकोफंगिसाइड्स) और कीट को नियंत्रित करने के लिए जैव नियंत्रण एजेंटों के रूप में उनका शोषण (माइकोइन्सेक्टिसाइड्स)और खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों, एकल–कोशिका प्रोटीन (एससीपी), एंजाइमों, कार्बनिक अम्लों, प्राच्य खाद्य पदार्थों के उत्पादन से लेकर एंटीबायोटिक्स तक के विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोग। हेटेरोथैलिज्म, पैरासेक्शुअल चक्र, सेक्स हार्मोन, शारीरिक विशेषज्ञता, विकासवादी प्रवृत्तियों और कवक के फाइलोजेनी जैसे सामान्य विषयों को शामिल किया गया है। पोषक चक्रण, ह्यूमस निर्माण, खाद्य पदार्थों के खराब होने, माइकोटॉक्सिन उत्पादक के रूप में और जहरीले मशरूम में उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई है। पुस्तक एक सरल स्पष्ट भाषा में लिखी गई है, जो वर्तमान में उपलब्ध जानकारी के अनुसार अद्यतन और विस्तारित है। पाठ्य पुस्तक का तीसरा संस्करण न केवल यूजी और पीजी छात्रों, वनस्पति विज्ञान, प्लांट पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, कृषि, बागवानी, वानिकी, पर्यावरण विज्ञान, खाद्य और पोषण के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए अति उपयोगी है। उन सभी के लिए जो लाइकेन, स्लाइम मोल्ड्स और यीस्ट सहित कवक के साथ काम करते हैं या इसमें रुचि रखते हैं। वरिष्ठ लेखक, डॉ. के. आर. अनेजा कई अवॉर्ड्स से सम्मानित हो चुके है जैसा कि इंडियन माइकोलॉजिकल सोसाइटी के 2022 लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्डी हैं, और वर्तमान में रिसर्च एडवाइजरी कमेटी (आर ए सी) आईसी एआर–डीडब्ल्यू आर, जबलपुर के सदस्य और आईसी एफ आर ई, देहरादून के प्रोजेक्ट एक्सपर्ट ग्रुप के विशेषज्ञ सदस्य हैं। दिन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पुस्तक के संशोधित उत्कृष्ट तीसरे संस्करण को लाने के लिए आरएसी की बैठक में भाग लेने वाले आरएसी के अध्यक्ष, सदस्यों, आयोजन सचिव और वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा प्रोफेसर अनेजा की सराहना की गई और बधाई दी गई। डॉ. अनेजा ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा प्रांत और देश का नाम रोशन किया है।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,

सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को सहज बनाता है प्रशिक्षण -डा.अनिल कुमार सिंह

देवरिया संवाद (डा0पंकज प्राणेश)प्रशिक्षण सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सहज बनाता है।कोई भी प्रशिक्षण किसी विशेष उद्देश्य को दृष्टि में रखते हुए आयोजित होता है।निश्चित उद्देश्य की संप्राप्ति हेतु पहला प्रयास प्रशिक्षण है।यह उपचारात्मक प्रशिक्षण बेसिक शिक्षा परिषद के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिणाम का शुभ संकेत है।आज पूरे प्रदेश में कोविड–19 के दौरान हुए शैक्षिक छति की पूर्ति हेतु भाषा और गणित पर आधारित उपचारात्मक प्रशिक्षण गतिमान है।नई शिक्षा नीति के तहत भाषा को लेकर की गयी अनुशंसा और अवधारणा को सही मायने मे कक्षा में उतारने का संपूर्ण दारोमदार शिक्षकों का है।हर बच्चे मे भाषायी कौशल और गणितीय दक्षता विकसित करने के लिए सरकार कटिबद्ध है।परस्पर चर्चा परिचर्चा और स्वस्थ संवाद के माध्यम से विषय की गुरूता को रेखांकित करतें हुए सहज रूप मे बच्चों तक पहुंचाना शिक्षकों का कर्तव्य है।

ज्यादा समय नहीं जिओगे,300 किलो के युवक को डॉक्टरों से मिली थी चेतावनी, फिर चार साल बाद.

अमेरिका के मिसीसिप्पी शहर में रहने वाले एक युवक ने चार साल में 165 किलो वजन घटाकर दुनिया को हैरान कर दिया है। दरअसल एक डॉक्टर ने युवक से कह दिया था कि वह एक चलता फिरता बम बन चुका है और कभी भी उसकी जान जा सकती है। इस बात ने युवक को इस कदर झकझोर दिया कि उसने वजन घटाने का फैसला कर लिया। मिसीसिप्पी के रहने वाले 42 वर्षीय निकोलस क्राफ्ट का वजन चार साल पहले करीब 300 किलो था।

साल 2019 में जब निकोलस ने वजन घटाने का फैसला किया तो पहले महीने ही उन्होंने संतुलित आहार लेकर 18 किलो वजन कम कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निकोलस को बचपन से ही ज्यादा वजन की समस्या थी और हाईस्कूल में ही उनका वजन करीब 136 किलो था। क्राफ्ट ने बताया कि तनाव की वजह से वह ज्यादा खाना खाते थे और उसी के चलते उनका वजन इस कदर बढ़ गया। भारी वजन के चलते उनके शरीर में दर्द, घुटनों में दर्द और सांस फूलने की समस्या होने लगी थी।

हालात ये हो गए थे कि क्राफ्ट घर से बाहर नहीं निकल पाते थे क्योंकि वह किसी गाड़ी में बैठ ही नहीं सकते थे। इसके चलते उनका लोगों से मिलना जुलना भी बंद हो गया था। साल 2019 में जब एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि वह एक चलता फिरता बम बन गए हैं और ज्यादा से ज्यादा चार से पांच साल में उनकी मौत हो जाएगी। इसके बाद क्राफ्ट ने वजन घटाने की सोची। क्राफ्ट का कहना है कि वह जीना चाहते हैं और इसी के चलते उन्होंने अपनी खाने पीने की आदतों में बदलाव किया।

अब निकोलस क्राफ्ट पूरी तरह से बदल गए हैं और अब वह बाहर जा सकते हैं। लोगों से मिलते जुलते हैं और उनकी स्वास्थ्य की समस्याएं भी काफी हद तक कम हो गई हैं। क्राफ्ट का कहना है कि श्अपने आपको को सीमित ना करें। लोग जो सोचते हैं वह कर सकते हैं। इसलिए अपने पर विश्वास रखें क्योंकि जो आप सोच सकते हैं, उसे पा भी सकते हैं।

अमेरिका के मिसीसिप्पी शहर में रहने वाले एक युवक ने चार साल में 165 किलो वजन घटाकर दुनिया को हैरान कर दिया है। दरअसल एक डॉक्टर ने युवक से कह दिया था कि वह एक चलता फिरता बम बन चुका है और कभी भी उसकी जान जा सकती है। इस बात ने युवक को इस कदर झकझोर दिया कि उसने वजन घटाने का फैसला कर लिया। मिसीसिप्पी के रहने वाले 42 वर्षीय निकोलस क्राफ्ट का वजन चार साल पहले करीब 300 किलो था।

साल 2019 में जब निकोलस ने वजन घटाने का फैसला किया तो पहले महीने ही उन्होंने संतुलित आहार लेकर 18 किलो वजन कम कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निकोलस को बचपन से ही ज्यादा वजन की समस्या थी और हाईस्कूल में ही उनका वजन करीब 136 किलो था। क्राफ्ट ने बताया कि तनाव की वजह से वह ज्यादा खाना खाते थे और उसी के चलते उनका वजन इस कदर बढ़ गया। भारी वजन के चलते उनके शरीर में दर्द, घुटनों में दर्द और सांस फूलने की समस्या होने लगी थी।

हालात ये हो गए थे कि क्राफ्ट घर से बाहर नहीं निकल पाते थे क्योंकि वह किसी गाड़ी में बैठ ही नहीं सकते थे। इसके चलते उनका लोगों से मिलना जुलना भी बंद हो गया था। साल 2019 में जब एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि वह एक चलता फिरता बम बन गए हैं और ज्यादा से ज्यादा चार से पांच साल में उनकी मौत हो जाएगी। इसके बाद क्राफ्ट ने वजन घटाने की सोची। क्राफ्ट का कहना है कि वह जीना चाहते हैं और इसी के चलते उन्होंने अपनी खाने पीने की आदतों में बदलाव किया।

अब निकोलस क्राफ्ट पूरी तरह से बदल गए हैं और अब वह बाहर जा सकते हैं। लोगों से मिलते जुलते हैं और उनकी स्वास्थ्य की समस्याएं भी काफी हद तक कम हो गई हैं। क्राफ्ट का कहना है कि श्अपने आपको को सीमित ना करें। लोग जो सोचते हैं वह कर सकते हैं। इसलिए अपने पर विश्वास रखें क्योंकि जो आप सोच सकते हैं, उसे पा भी सकते हैं।अमेरिका के मिसीसिप्पी शहर में रहने वाले एक युवक ने चार साल में 165 किलो वजन घटाकर दुनिया को हैरान कर दिया है। दरअसल एक डॉक्टर ने युवक से कह दिया था कि वह एक चलता फिरता बम बन चुका है और कभी भी उसकी जान जा सकती है। इस बात ने युवक को इस कदर झकझोर दिया कि उसने वजन घटाने का फैसला कर लिया। मिसीसिप्पी के रहने वाले 42 वर्षीय निकोलस क्राफ्ट का वजन चार साल पहले करीब 300 किलो था। साल 2019 में जब निकोलस ने वजन घटाने का फैसला किया तो पहले महीने ही उन्होंने संतुलित आहार लेकर 18 किलो वजन कम कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निकोलस को बचपन से ही ज्यादा वजन की समस्या थी और हाईस्कूल में ही उनका वजन करीब 136 किलो था। क्राफ्ट ने बताया कि तनाव की वजह से वह ज्यादा खाना खाते थे और उसी के चलते उनका वजन इस कदर बढ़ गया। भारी वजन के चलते उनके शरीर में दर्द, घुटनों में दर्द और सांस फूलने की समस्या होने लगी थी।

हालात ये हो गए थे कि क्राफ्ट घर से बाहर नहीं निकल पाते थे क्योंकि वह किसी गाड़ी में बैठ ही नहीं सकते थे। इसके चलते उनका लोगों से मिलना जुलना भी बंद हो गया था। साल 2019 में जब एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि वह एक चलता फिरता बम बन गए हैं और ज्यादा से ज्यादा चार से पांच साल में उनकी मौत हो जाएगी। इसके बाद क्राफ्ट ने वजन घटाने की सोची। क्राफ्ट का कहना है कि वह जीना चाहते हैं और इसी के चलते उन्होंने अपनी खाने पीने की आदतों में बदलाव किया। अब निकोलस क्राफ्ट पूरी तरह से बदल गए हैं और अब वह बाहर जा सकते हैं। लोगों से मिलते जुलते हैं और उनकी स्वास्थ्य की समस्याएं भी काफी हद तक कम हो गई हैं। क्राफ्ट का कहना है कि श्अपने आपको को सीमित ना करें। लोग जो सोचते हैं वह कर सकते हैं। इसलिए अपने पर विश्वास रखें क्योंकि जो आप सोच सकते हैं, उसे पा भी सकते हैं।अमेरिका के मिसीसिप्पी शहर में रहने वाले एक युवक ने चार साल में 165 किलो वजन घटाकर दुनिया को हैरान कर दिया है। दरअसल एक डॉक्टर ने युवक से कह दिया था कि वह एक चलता फिरता बम बन चुका है और कभी भी उसकी जान जा सकती है। इस बात ने युवक को इस कदर झकझोर दिया कि उसने वजन घटाने का फैसला कर लिया। मिसीसिप्पी के रहने वाले 42 वर्षीय निकोलस क्राफ्ट का वजन चार साल पहले करीब 300 किलो था। साल 2019 में जब निकोलस ने वजन घटाने का फैसला किया तो पहले महीने ही उन्होंने संतुलित आहार लेकर 18 किलो वजन कम कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निकोलस को बचपन से ही ज्यादा वजन की समस्या थी और हाईस्कूल में ही उनका वजन करीब 136 किलो था। क्राफ्ट ने बताया कि तनाव की वजह से वह ज्यादा खाना खाते थे और उसी के चलते उनका वजन इस कदर बढ़ गया। भारी वजन के चलते उनके शरीर में दर्द, घुटनों में दर्द और सांस फूलने की समस्या होने लगी थी। हालात ये हो गए थे कि क्राफ्ट घर से बाहर नहीं निकल पाते थे क्योंकि वह किसी गाड़ी में बैठ ही नहीं सकते थे। इसके चलते उनका लोगों से मिलना जुलना भी बंद हो गया था। साल 2019 में जब एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि वह एक चलता फिरता बम बन गए हैं और ज्यादा से ज्यादा चार से पांच साल में उनकी मौत हो जाएगी। इसके बाद क्राफ्ट ने वजन घटाने की सोची। क्राफ्ट का कहना है कि वह जीना चाहते हैं और इसी के चलते उन्होंने अपनी खाने पीने की आदतों में बदलाव किया। अब निकोलस क्राफ्ट पूरी तरह से बदल गए हैं और अब वह बाहर जा सकते हैं। लोगों से मिलते जुलते हैं और उनकी स्वास्थ्य की समस्याएं भी काफी हद तक कम हो गई हैं। क्राफ्ट का कहना है कि श्अपने आपको को सीमित ना करें। लोग जो सोचते हैं वह कर सकते हैं। इसलिए अपने पर विश्वास रखें क्योंकि जो आप सोच सकते हैं, उसे पा भी सकते हैं।अमेरिका के मिसीसिप्पी शहर में रहने वाले एक युवक ने चार साल में 165 किलो वजन घटाकर दुनिया को हैरान कर दिया है। दरअसल एक डॉक्टर ने युवक से कह दिया था कि वह एक चलता फिरता बम बन चुका है और कभी भी उसकी जान जा सकती है। इस बात ने युवक को इस कदर झकझोर दिया कि उसने वजन घटाने का फैसला कर लिया। मिसीसिप्पी के रहने वाले 42 वर्षीय निकोलस क्राफ्ट का वजन चार साल पहले करीब 300 किलो था। साल 2019 में जब निकोलस ने वजन घटाने का फैसला किया तो पहले महीने ही उन्होंने संतुलित आहार लेकर 18 किलो वजन कम कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निकोलस को बचपन से ही ज्यादा वजन की समस्या थी।

समय न ठहरा है कभी,रुके न इसके पाँव

संग समय के जो चले, पहुंचे अपने गाँव ।।

जब हम समय बर्बाद करते हैं, तो हम अवसरों से भी चूक जाते हैं। समय किसी का इंतजार नहीं करता और एक बार चला गया तो हमेशा के लिए चला गया। एक और तरीका है जिससे हम समय बर्बाद करते हैं वह है सोशल मीडिया पर घंटों बिताना या टीवी देखना। जबकि ये गतिविधियाँ सुखद और मनोरंजक हो सकती हैं, वे हमारे जीवन में कोई वास्तविक मूल्य नहीं लाती हैं। इसके बजाय, वे हमें और अधिक महत्वपूर्ण चीजों से विचलित करते हैं जैसे प्रियजनों के साथ समय बिताना, हमारे लक्ष्यों का पीछा करना, या नए कौशल सीखना।–प्रियंका सौरभ समय हमारे पास सबसे मूल्यवान संसाधन है, और एक बार चले जाने के बाद हम इसे कभी वापस नहीं पा सकते हैं। दुर्भाग्य से, हम में से बहुत से लोग इसे हल्के में लेते हैं और इसे व्यर्थ की गतिविधियों में बर्बाद कर देते हैं। जब हम समय को मारते हैं, तो असल में हम अपने जीवन के एक हिस्से को मार रहे होते हैं। कवि डॉ सत्यवान सौरभ कहते है कि–

पल कोई ठहरा नहीं, यही समय दस्तूर ।
हो जायेंगे एक दिन, हम भी सब से दूर ।।

समय एक सीमित संसाधन है, और हम सभी के पास हर दिन इसकी समान मात्रा होती है। जिस तरह से हम इसका उपयोग करते हैं वह हमारी सफलता, खुशी और जीवन के साथ समग्र संतुष्टि को निर्धारित करता है। समय कीमती है और हमें इसका सदुपयोग करना चाहिए। दुर्भाग्य से, हममें से बहुत से लोग ऐसी गतिविधियों पर समय बर्बाद करते हैं जो हमारे जीवन में कोई मूल्य नहीं लाती हैं।हमारी तेज–तर्रार दुनिया में, चूहे की दौड़ में फंस जाना और जो वास्तव में महत्वपूर्ण है उसे भूल जाना आसान है। हम अक्सर खुद को यह इच्छा करते हुए पाते हैं कि हमारे पास उन चीजों को करने के लिए अधिक समय है जो हम प्यार करते हैं, या समय सीमा और नियुक्तियों पर जोर देते हैं। लेकिन क्या होगा अगर हम एक कदम पीछे हटें और समय के मूल्य को देखें?जरूर, हम सभी सहमत हो सकते हैं कि समय पैसा है। लेकिन असल में उसका क्या अर्थ है? जब हम इसे तोड़ते हैं, तो समय वास्तव में हमारे पास मौजूद सबसे मूल्यवान वस्तुओं में से एक है। यह एक सीमित संसाध ान है जिसे एक बार जाने के बाद हम कभी वापस नहीं पा सकते हैं। इसलिए हर पल का सदुपयोग करना इतना महत्वपूर्ण है। हर दिन अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने और प्रियजनों के साथ स्थायी यादें बनाने का एक नया अवसर है।समय बर्बाद करने के सबसे आम तरीकों में से एक है टालमटोल करना। ये बर्बादी किसी काम को करने में देरी या स्थगित करने की क्रिया है। हम अक्सर महत्वपूर्ण कार्यों को अंतिम समय तक टाल देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप तनाव और चिंता होती है। व्यर्थ जाया न केवल समय बर्बाद करता है, बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य और उत्पादकता को भी प्रभावित करता है।एक और तरीका है जिससे हम समय बर्बाद करते हैं वह है सोशल मीडिया पर घंटों बिताना या टीवी देखना। जबकि ये गतिविध ियाँ सुखद और मनोरंजक हो सकती हैं, वे हमारे जीवन में कोई वास्तविक मूल्य नहीं लाती हैं। इसके बजाय, वे हमें और अधिक महत्वपूर्ण चीजों से विचलित करते हैं जैसे प्रियजनों के साथ समय बिताना, हमारे लक्ष्यों का पीछा करना, या नए कौशल सीखना।जब हम समय बर्बाद करते हैं, तो हम अवसरों से भी चूक जाते हैं। समय किसी का इंतजार नहीं करता और एक बार चला गया तो हमेशा के लिए चला गया। प्रत्येक क्षण जब हम कोई अनुत्पादक कार्य करने में व्यतीत करते हैं, वह एक ऐसा क्षण होता है जिसका उपयोग हम अपने लक्ष्यों की दिशा में प्रगति करने या किसी तरह से अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कर सकते थे। चाहे वह एक नया कौशल सीखना हो, एक शौक का पीछा करना हो, या प्रियजनों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना हो, हमेशा कुछ अधिक मूल्यवान होता है जो हम अपने समय के साथ कर सकते हैं।इसके अलावा, समय बर्बाद करने से हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। जब हम सोशल मीडिया पर या टीवी देखने में बहुत अधिक समय बिताते हैं, तो हम गतिहीन और निष्क्रिय हो जाते हैं। इससे वजन बढ़ना, खराब मुद्रा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, अनुत्पादक गतिविध ियों पर बहुत अधिक समय व्यतीत करने से अपराध बोध, खेद और कम आत्मसम्मान की भावनाएँ भी पैदा हो सकती हैं।दूसरी ओर, जब हम अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग करते हैं, तो हम आश्चर्यजनक चीजें हासिल कर सकते हैं। समय एक ऐसा संसाधन है जिसकी जीवन में कुछ भी हासिल करने के लिए आवश्यकता होती है, और अगर हम इसका बुद्धिमानी से उपयोग करते हैं, तो हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और जीवन को पूरा कर सकते हैं। स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके, अपने समय को प्राथमिकता देकर, और उन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करके जो हमारे जीवन में मूल्य लाती हैं, हम अपने समय का अध िकतम उपयोग कर सकते हैं और अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सकते हैं। डॉ सत्यवान सौरभ ने सही कहा है कि–

समय न ठहरा है कभी,रुके न इसके पाँव।
संग समय के जो चले, पहुंचे अपने गाँव ।।

समय एक अनमोल संसाध ान है जिसे हमें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। जब हम समय को मारते हैं, तो असल में हम अपने जीवन के एक हिस्से को मार रहे होते हैं। अनुत्पादक गतिविधियों पर समय बर्बाद करना न केवल हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने से रोकता है बल्कि हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग करके और उन गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करके जो हमारे जीवन में मूल्य लाती हैं, हम अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सकते हैं और जीवन को पूरा कर सकते हैं। याद रखें, समय एक सीमित संसाधन है, और यह हम पर निर्भर है कि हम इसका अधिकतम लाभ उठाएं।

यदि हम प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करने में सक्षम हैं, तो हम चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बेहतर रूप से सुसज्जित होंगे। अपने समय का प्रबंध ान करना, प्राथमिकताओं को निर्धारित करना और आत्म–अनुशासन की खेती करना सीखकर, हम उन मामलों में अधिक उत्पादक बन सकते हैं जो सबसे अध िक मायने रखते हैं और प्रत्येक दिन का अधिकतम लाभ उठाते हैं। इसलिए प्रत्येक क्षण को जानबूझकर जब्त करेंय आप कभी नहीं जानते कि यह आपका आखिरी समय कब हो सकता है, डॉ सत्यवान सौरभ कि इन पंक्तियों से जीवन में कुछ नया करने की ओर अग्रसर हो–

आओ मौसम विज्ञान के महत्व को समझें

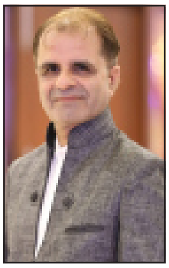

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर हम पिछले दो दशकों से देख रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन का संकट बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में तो पूरे विश्व में हमने प्राकृतिक आपदाओं का मंजर ज्वालामुखी उठना, जंगलों में आग, बाढ़, भूकंप, चक्रवात, तूफान जैसे अनेक आपदाओं का संकट बढ़ा है, जिसपर नियंत्रण के लिए वैश्विक स्तरपर पेरिस जलवायु समझौता लाया गया जिसके अनुसार सभी सदस्य देशों को कार्बन उत्सर्जन जीरो तक लाना है।

इसके साथ ही लगभग हर देश में इन प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाकर मानवीय जिंदगियों और आजीविका को बचाना, भारी तबाही और नुकसान बचाने मौसम विज्ञान विभाग गठित किया गया है जिसकी पैनी निगाह से वहां की सरकारें इन आपदाओं के बचाव में पूर्व तैयारियों का को अंजाम देकर जिंदगियों आजीविका और तबाही पर नियंत्रण करने रणनीति रोडमैप बनाते हैं। फिर भी वैश्विक स्तरपर संयुक्तराष्ट्र का विश्व मौसम विज्ञान संगठन भी बना है जो परिचालनात्मक जल विज्ञान और संबंधित भूभौतिकी विज्ञान की एक विशिष्ट एजेंसी भी बनी है जिसका भारत सदस्य है।

साथियों बात अगर हम मौसम विज्ञान की करें तो,यह मौसम का पूर्वानुमान विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी की एक ऐसी शाखा है जिसमें किसी स्थान के वायुमंडलीय दशाओं की वैज्ञानिक भविष्यवाणी की जाती है। पिछले कुछ समय से भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने समुद्री चक्रवातों और तूफानों का सटीक आकलन करना प्रारंभ कर दिया है,जिससे ना केवल करोड़ों–अरबों रूपए की राष्ट्रीय संपत्ति का कम–से–कम नुकसान हुआ है, बल्कि जान–माल का भी कम–से–कम नुकसान हुआ है. चाहे ओडिसा–आंध्रप्रदेश में आया फाइलिन चक्रवात हो, हुदहुद चक्रवात हो, गुजरात में आया निलोफर तूफान हो या फिर तमिलनाडु, केरल एवं लक्षद्वीप में आया ओखी चक्रवात हो या फिर पिछले वर्ष कोलकाता और मुंबई में आया हुआ तूफान हो, हर बार भारतीय मौसम विज्ञान विभाग तकरीबन सटीक भविष्यवाणी करने में सफल रहा है।

साथियों बात अगर हम पूर्वानुमान अवधि की करें तो प्राय: मौसम पूर्वानुमान आगामी 24 से 48 घंटों के लिए किया जाता है। आगामी 48 घंटों से एक सप्ताह के लिए मौसम के बारे में किया जाने वाला पूर्वानुमान मध्‍यम अवधि पूर्वानुमान कहलाता है. मध्यम अवधि पूर्वानुमान सामान्य पूर्वानुमान से जटिल कार्य है. इसके लिए आगामी मौसम को प्रभावित करने वाली बीती मौसमी घटनाओं को सूचीबद्ध किया जाता है। मध्यम अवधि पूर्वानुमान के तहत आगामी 10 दिनों में वायुमंडल के व्यवहार के बारे में भविष्यवाणी की जाती है

साथियों बात अगर हम मौसम विज्ञान के महत्व और प्रतिवर्ष उसके थीम की करें तो, मौसम विज्ञान द्वारा दी गई जानकारी के फलस्वरुप ही दूर देशों की यात्रा संभव हो पाती है। किस शहर मे क्या मौसम है। कहां कौन सी आपदा है इन सब बातों की जानकारी मौसम विज्ञान द्वारा ही संभव हो पाई है। प्रतिवर्ष मौसम विभाग संगठन यह दिन किसी ना किसी खास विषय को ध्यान में रखकर मनाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वर्तमान जलवायु संकट में विश्व मौसम विज्ञान को गंभीरता से रेखांकित करने की जरूरत है तथा मौसम विज्ञान मानवीय जिंदगियों को और आजीविका बचाने प्राकृतिक आपदाओं की सटीक पूर्वानुमान जानकारी उपलब्‍ध कराने में पूर्णतःसक्षम है।

बाबा नानक दा सच्चा सौदा

भोपाल – गुरु नानक देव जी ने अपने उपदेशों से पूरे विश्व को आध्यात्मिक ज्ञान और महान विचारो से इस धरती को प्रकाशमय किया था । गुरु नानक देव जी के विचार जातिवाद, कौम, धर्म तथा भाषा के आधार पर होने वाले भेद भाव से उच्च थे । वह सभी लोगो के प्रति समानता का भाव रखते थे । गुरु नानक देव जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन काल मानवता की भलाई और सेवा करने में गुजार दी। गुरु नानक देव जी ने जीवन भर मानवता एवं एक ईश्वर की प्रार्थना का संदेश दिया था। उन्होंने अपने जीवन के अधिकांश का हिस्सा यात्रा करते हुए व्यतीत किया और करतारपुर में देह त्याग किया। यह जगह आज भी पाकिस्तान में है।

साथियों बात अगर हम बाबा नानक दा सच्चा सौदा की करें तो गुरु नानक देव ने दुनिया के महापुरुषों और संतों में वह ऊंचा स्थान प्राप्त किया जिसे शायद ही कोई पा सका हो। गुरु नानक देव ने अपने ओजस्वी और भक्तिपूर्ण विचारों के दम पर वह मुकाम हासिल किया जिसे राजा महाराजा भी अपनी पूरी सेना के साथ नहीं हासिल कर पाते। वह दुनिया के लिए एक ऐसे महान विचारक थे, जिनके विचार कई सदियों तक लोगों को प्रेरित और मार्गदर्शन करते रहेंगे। भारत भूमि में जन्म बहुत से महापुरुषों ने समाज को एक नयी राह दिखाने का काम किया है। हर युग में लोग उनके विचारों से प्रभावित हुए हैं। ऐसे ही महापुरुषों में गुरु नानक देव जी भी हैं। गुरु नानक की शिक्षाएं और विचार आज भी सांसारिक जीवन में भटके हुए लोगों को राह दिखाने का काम करते हैं। साथियों बात अगर हम बाबा गुरु नानक देव की महिमाओं की करें तो महिमाएं गाथाएं लिखने में दुनिया के पूरे कागज कलम कम पड़ जाएंगे परंतु फिर भी गाथाएं तो बाबा जी की गाना लिखना ही पड़ेगा। गुरु नानक देव जी से जुड़ि रोचक कहानी – सच्चा सौदा– नानक जी की बचपन से ही ईश्वर के प्रति काफी प्रेम और श्रद्धा थी। उनका मन पढाई में बिलकुल नहीं लगता था । इसके विपरीत्त हर समय उनका मन और ध्यान सिर्फ ईश्वर का नाम जपते रहने में लगा रहता थे । उनकी इस प्रवति को देख उनके पिता उनसे काफी रुष्ट रहते थे । वह हमेशा नानक जी के भविष्ये के बारे में चितिंत रहते थे।कहते है की एक बार ननकी जी के पिता मेहता कालू नानक जी का ध्यान पूजा पाठ और साधु–सांगत और भगवन के चिंतन से हटाने के लिए उन्हें घर के सभी बाहरी काम देने का निर्णय किया। इसके लिए उन्होंने सबसे पहला काम देने के लोए नानक जी को बुलाया और उन्हें 20 रुपय देते हुए आदेश दिया की जाओ बेटा तुम इन पैसो से बाजार जाकर एक सच्चा सौदा करके आओ।नानक जी अपने पिता की आदेश पालन कर बाजार की ओर चल देते है।

सांस्कृतिक, पारिवारिक और धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है-गणगौर पर्व

गणगौर राजस्थान की संस्कृति से जुड़ा प्रसिद्ध त्योहार हैं, जो भगवान शिव व देवी पार्वती को समर्पित है। गणगौर त्योहार को हिंदू कैलेंडर के अनुसार तृतीया तिथि, शुक्ल पक्ष, चौत्र माह में मनाया जाता है। गणगौर महोत्सव– 2023 08 मार्च 2023 – 24 मार्च 2023 को मनाया जा रहा है। मालवा की शान श्गणगौरश वैसे तो राजस्थानियों का विशुद्ध लोकपर्व है, लेकिन राजस्थान के अलावा भी यह लोकपर्व देश के अनेक भागों में हर्षोल्लास, खुशी के साथ मनाया जाता है। यह लोकपर्व वास्तव में राजस्थान की गौरवशाली संस्कृति में रमा–बसा हुआ लोकपर्व है और खुशहाल दाम्पत्य जीवन से जुड़ा हुआ है। जानकारी देना चाहूंगा कि आज देश में राजस्थानियों के अलावा इसे उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बुंदेलखंड और ब्रज, गुजरात, पश्चिमी बंगाल क्षेत्र में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यदि हम इस त्योहार(लोकपर्व) के मनाये जाने की बात करें तो यह होलिका दहन के दूसरे दिन यानी कि चौत्र कृष्ण प्रतिपदा से यानी कि छरंडी के दिन से या यूं कहें कि रंगों से खेलने के दिन से चौत्र शुक्ल तृतीया तक इसे मनाया जाता है। बुजुर्ग बताते हैं कि यह अट्ठारह दिनों तक चलने वाला लोकपर्व है। माना जाता है कि माता गवरजा(पार्वती मां) होली के दूसरे दिन अपने पीहर आती हैं तथा अठारह दिनों के बाद ईसर (भगवान शिव) उन्हें फिर लेने के लिए आते हैं और चौत्र शुक्ल तृतीया यानी कि श्तीजश को उनकी विदाई होती है। वैसे तो यह विवाहित महिलाओं का लोकपर्व है लेकिन कुंवारी लड़कियाँ भी इस दिन माता गौरी(पार्वती जी) और भगवान शिव(ईसर) की पूजा–अर्चना करतीं हैं।जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। अक्सर यह बात कही जाती है कि चौत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्योहार मनाया जाता है।कामदेव की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर श्नेगचारश की रस्में भी अदा की जाती हैं। कहते हैं कि छरंडी के दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होलिका दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर काजल और रोली की टीका लगाती हैं और शीतलाष्टमी के त्योहार तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुए गीत गाती हैं– श्गौर ये गणगौर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।श गणगौर पर गणगौर की कहानी सुनने की भी परंपरा है। गणगौर को भोग लगाया जाता है।लड़कियां कुंए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं–श्म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो,बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।श गणगौर का शबिंदौराश भी निकाला जाता है और गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का शसिंजाराश किया जाता है। पूजा में दूब, जल कलश, रौली–मौली, सिंदूर, चूड़ियाँ, चन्दन, अक्षत, ध ूपबत्ती, दीप, नैवेद्य का इस्तेमाल किया जाता है। कुंवारी लड़कियाँ मनपसंद वर प्राप्ति के लिए पूजा अर्चना करतीं हैं।राजस्थान के अधिकतर क्षेत्रों में गणगौर पूजन एक आवश्यक वैवाहिक रीत के रूप में भी प्रचलित है। गणगौर पूजन में कन्याएँ और महिलाएँ अपने लिए अखण्ड सौभाग्य, अपने पीहर और ससुराल पक्ष की समृद्धि तथा गणगौर से प्रतिवर्ष फिर से आने का आग्रह करती हैं। बताता चलूँ कि जयपुर की गणगौर पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। जयपुर में, घेवर नामक एक मीठा व्यंजन गणगौर उत्सव की विशेषता है। गणगौर लोकपर्व के अवसर पर राजस्थान में जगह–जगह मेले भरते है और पूर्व राजपरिवारों की गणगौर सवारी शाही लवाजमें के साथ बड़े ही धूमधाम के साथ निकलती है। महिलाओंध कुंवारी लड़कियों द्वारा इस पावन अवसर पर गणगौरी गीत गाये जाते हैं और समूहों में फूल तोड़ने व कुंओं से पानी भरने की भी परंपरा है। महिलाएं इस अवसर पर अपने हाथों और पैरों में मेंहदी लगाती हैं, जैसा कि मेंहदी सुहाग का प्रतीक मानी जाती है। इसीलिए गणगौर को श्सुहाग पर्वश भी कहा जाता है।इस अवसर पर सभी स्त्रियां गहने–कपड़ों से सजी–ध ाजी रहती हैं। वैसे बीकानेर जिले की गणगौर को राजस्थान की अनूठी गणगौर माना जाता है। बीकानेर के बारह गुवाड़ चौक में भरने वाले दो दिवसीय बारहमासा गणगौर मेले के दौरान पूजन की जाने वाली आलूजी की चटकीले रंग व आकार वाली प्राचीन गणगौरें न केवल प्रदेशभर में अनूठी है बल्कि विशिष्ट बनावट और मिट्टी कुट्टी से बनी होने के कारण अपनी अलग पहचान रखती है। कहते हैं कि यहाँ करीब डेढ सौ साल पुरानी इन गणगौर प्रतिमाओं में ईसर और गवर के साथ–साथ भगवान कृष्ण, भगवान गणेश और सिर पर कलश धारण किए पणिहारी की प्रतिमाएं भी हैं। बुजुर्ग लोग बताते हैं कि ये प्राचीन गणगौर प्रतिमाएं चिकनी मिट्टी, कागज की लुगदी, दाना मेथी, गोंद, राल आदि सामग्रियों से तैयार की गई है। वैसे, बीकानेर के अलावा जयपुर, किशनगढ़, सूर्य नगरी जोधपुर समेत अन्य स्थानों पर गणगौर की सवारी ऐतिहासिक परम्पराओं के अनुरूप निकाली जाती है इन स्थानों पर अभी भी पूर्व राज परिवारों की गणगौर की सवारी शाही लाव–लश्कर के साथ निकाली जाती है, जिसे विदेशी पर्यटक बहुत चाव और रूचि के साथ देखते हैं और अपनी फोटो,विडियो भी करवाते हैं। जानकारी देता चलूं कि राजस्थान के मारवाड़ प्रान्त खासकर जोधपुर में मनाए जाने वाले 'धींगा गवर' फेस्टिवल में महिलाएं कुंवारे लड़कों को दौड़ा–दौड़ाकर डंडा मारती हैं। ऐसी मान्यता है कि डंडाध्बेंत खाने से शादी जल्दी होती है। इसे बेंतमार गणगौर के नाम से भी जाना जाता है।मारवाड़ में सालों पुरानी यह मान्यता थी कि धींगा गवर के दर्शन पुरुष नहीं करते थे क्योंकि उस समय में ऐसा माना जाता था कि जो भी पुरुष धींगा गवर के दर्शन कर लेता था उसकी मृत्यु हो जाती थी लेकिन यह मान्यता धीरे–धीरे बदल गई। वैसे नाथद्वारा में चौत्र शुक्ल पंचमी के अवसर पर श्गुलाबी गणगौरश भी मनाते हैं। गणगौर के दौरान भक्ति, श्रंगार व वीर रस के गीत गाये जाते हैं। राजस्थान की स्वर्ण नगरी कहलाने वाले जैसलमेर जिले में बिना ईसर की गणगौर पूजी जाती है। बताता चलूं कि उदयपुर में गणगौर नाव प्रसिद्ध है। पारंपरिक परिधानों के साथ गहनों से सजी महिलाएं शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पिछौला झील के गणगौर घाट पर देवी पार्वती की मूर्तियों की पूजा–अर्चना करती हैं। वैसे उदयपुर और जोधपुर की श्धींगा गणगौरश काफी प्रसिद्ध है। वैसे,राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हों, वे गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती हैं। राजस्थानी में गणगौर पर एक कहावत भी है जो बहुत प्रसिद्ध है– 'तीज तींवारा बावड़ी ले डूबी गणगौर' इसका मतलब यह है कि सावनी तीज से त्योहारों का आगमन शुरू हो जाता है और गणगौर के विसर्जन के साथ ही त्योहारों पर काफी समय तक(तीन–चार महीनों तक) विराम आ जाता है। आज हाइटेक युग में गणगौर लोकपर्व का स्वरूप काफी हद तक बदल चुका है। आज पूजा के लिए कुएं बचे नहीं है। सादगी से मनाये जाने वाले इस त्योहार को समय का जंग लग चुका है। बुजुर्ग महिलाओं को ही गणगौर के लोकगीत याद हैं। युवा पीढ़ी को इस त्योहार के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। आज बढ़ती आबादी, आधुनिकता, पाश्चात्य संस्कृति, टेक्नोलॉजी के बीच अब गणगौर माता के विसर्जन के स्थान नहीं रहे हैं। आज लोकगीतों का स्थान आध ुनिक गीतों ने लिया है। पाश्चात्य संस्कृति ने फूहड़पन को जन्म दिया है। आज लोकपर्व में दिखावा व लोभ,स्वार्थ की भरमार देखने को मिलती है। वह अपनत्व, स्नेह, प्यार अब मौजूद नहीं दिखता जो आज से पच्चीस तीस बरस पहले गणगौर पर्व के दौरान दिखता था। गणगौर का पर्व हमें इस बात का संदेश देता है कि हमें अपने जीवन में धन–संपदा, प्रदर्शन, दिखावा, ईर्ष्या, छल–कपट, अहम् भावना से दूर रहना चाहिए। आज लोग इस पर्व पर नशे की हालत में डीजे पर फूहड़ नृत्य करते हैं जो हमारी संस्कृति और गौरवशाली परंपरा के लिए अभिशाप बन रहा है। आज शहरीकरण के कारण चिकनी मिट्टी नहीं है, कागज की लुगदी नहीं है। है तो भी बहुत ही कम। प्रतिमाओं को तैयार करने वाले कलाकारों का भी अभाव है। जमाना आधुनिकता की आड़ में इस त्योहार की परंपराओं को भुलाता चला जा रहा है। इस त्योहार की गौरवशाली परंपरा ध ीरे–धीरे विलुप्ति की कगार पर पहुंच गई है। गणगौर हमारे जीवन मूल्यों, हमारे आदर्शों, हमारे प्रतिमानों की सुरक्षा एवं वैवाहिक जीवन की सुदृढ़ता में एक सार्थक प्रेरणा बना है। लेकिन आज समय के साथ पारिवारिक मूल्यों, नैतिक मूल्यों में ह्वास हो गया है। गणगौर का पर्व हमारी सांस्कृतिक, पारिवारिक एवं धार्मिक चेतना की एक ज्योति किरण है, लेकिन समय के साथ यह ज्योति किरण संकुचित सी होती जा रही है। आज हरेक आदमी भौतिक एवं भोगवादी और भागदौड़ की दुनिया में रमा–बसा है, उसके पास ऐसे त्योहारों के लिए समय ही नहीं बचा है। पर्वों के महत्व से वह अनजान है। यह पर्व हमारे दुःखों, परेशानियों, कष्टों को दूर करने एवं सुखों का सृजन करने का प्रेरक लोकपर्व है। आज आधुनिक युग में परिवार लगातार टूट रहे हैं, संयुक्त परिवारों का नितांत अभाव हो गया है। एकल परिवार जन्म ले रहे हैं। लेकिन यह पर्व कहीं न कहीं दाम्पत्य जीवन के असली दायित्वबोध की चेतना का संदेश देता हैं। नारी सशक्तीकरण का यह माध्यम है, जो नारी को सशक्त बनाता है, समाज को एकता व अखंडता के सूत्र में बांधता है। वास्तव में, गणगौर का लोकपर्व हमारी संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं, भावनाओं को प्रेम और एकता में बांधने का निष्ठासूत्र ही है। गणगौर लोकपर्व का मूल्य केवल और केवल नारी तक सीमित नहीं है। गणगौर पर्व में हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्य, आदर्श, संस्कार सब निहित हैं।

झुग्गी झोपड़ी

सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव

RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा